लखनऊ

शनिवार, 13 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 287

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सब्र एक ऐसी सवारी है, जो अपने सवार को कभी गिरने नहीं देती, ना किसी के कदमों में ना किसी के नजरों में।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

समंदर हो या आकाश, महिलाओं ने हर क्षेत्र में नाम कमाया...

नारी शक्ति के 12 साल होने पर पीएम मोदी का पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। नारी शक्ति के 12 साल पूरे होने के मौके पर PM नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाएं राष्ट्र के निर्माण में आधारशिला रही हैं। आज वह हर सेक्टर्स में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। भारत की बहनें, माताएं और बेटियां अपनी असाधारण प्रतिभा और कौशल से हर फील्ड में अपनी छाप छोड़ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि समुद्र हो, आकाश हो या भूमि भारत की महिलाओं ने सभी क्षेत्रों में नाम कमाया है। इसलिए PM ने उन्हें तीनों लोकों की देवी कहकर नवाजा है।

PM मोदी ने कहा कि पिछले 12 सालों में एनडीए सरकार ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कई अवसरों को पेश किया है जिनमें से एक नारी शक्ति है। हमारी सरकार ने हर मोड़ पर भारत की महिलाओं को आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग किया है। जिसकी वजह से आज महिलाओं को विज्ञान, स्वास्थ्य, खेल, प्रशासनिक, शिक्षा जैसे दूसरे संस्थानों में जगह मिली है। हमें भारत की महिलाओं पर गर्व है कि वह अब किसी पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि आत्मनिर्भर होकर आजादी से अपनी खुद की जीवनशैली को जीती हैं।

क्या होता है सेल्फ हेल्प ग्रुप

PM मोदी ने कहा कि आज हमारी सरकार सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के साथ मिलकर महिलाओं को लंबे समय तक आर्थिक मदद पहुंचाने में सहयोग कर रही है। दरअसल, SHG एक छोटा सा समूह होता है जिसमें लगभग 10 से 20 लोग शामिल होते हैं। ये लोग आमतौर पर एक ही समुदाय या क्षेत्र से होते हैं और मिलकर अपनी आर्थिक, सामाजिक और व्यक्तिगत परेशानियों का समाधान करते हैं। ऐसे समूह गांव में अक्सर दिखाई देते हैं। नारी शक्ति का मतलब है महिलाओं को सशक्त बनाना ताकि वे अपने जीवन और समाज में परिवर्तन ला सकें। यह न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए आवश्यक है कि हम महिलाओं को उनके सही अधिकार दिलाने में मदद करें जिससे सच्चे मायनों में समाज में बदलाव आ सके।

लखनऊ में 'कॉकरोच जनता पार्टी' का प्रदर्शन आज, फिर से मांगा धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) शुक्रवार को लखनऊ में प्रदर्शन करेगी। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली और पुणे में दो सफल शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के बाद वह शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए छात्रों के साथ लखनऊ में प्रदर्शन करेंगे। दीपके ने X पर इसकी जानकारी दी। लखनऊ के ईको गार्डेन में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम है जहां सीजेपी के समर्थक नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करेंगे। इससे पूर्व पुणे में प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन किया गया था।

दीपके ने चेतावनी दी कि यदि प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया तो वे दिल्ली जाएंगे और 20 जून को फिर से विरोध प्रदर्शन करेंगे। दीपके ने पुणे में कहा कि नीट, सीबीएसई और सीयूईटी परीक्षा में शामिल हो रहे विद्यार्थियों को अन्याय का सामना करना पड़ा है और सरकार जवाबदेही तय करने में फेल रही है।

दीपके ने कहा, "आंदोलन की शुरुआत से ही हमारी एक ही मांग रही है और वह है धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तय करना होगा कि एक करोड़ विद्यार्थी महत्वपूर्ण हैं या अक्षम मंत्री। उन्होंने कहा कि 20 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले जयपुर, लखनऊ, अमृतसर और बेंगलुरु समेत विभिन्न शहरों में इस आंदोलन के तहत प्रदर्शन करेंगे। दीपके ने कहा, "जब तक हमें शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं मिलता, तब तक हम वापस नहीं लौटेंगे।

संक्षेप

तेज रफ्तार कार की ट्रक से भीषण टक्कर, तीन थाना प्रभारी समेत चार लोगों की मौत

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में शुक्रवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में मधेपुरा जिले के तीन थाना प्रभारी भी शामिल थे। फिलहाल, पुलिस ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी सामने आई कि तेज रफ्तार कार ने एक ट्रक में पीछे से जबरदस्त टक्कर मारी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका आधा हिस्सा ट्रक के पिछले हिस्से में फंस गया। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा स्थित एनएच 31 के पास की है। बताया जा रहा है कि कार में चार पुलिसकर्मी थे, जिसमें तीन मधेपुरा जिले में तैनात तीन थाना प्रभारी भी थे। वे पटना से एकदिवसीय प्रशिक्षण लेकर एक ही गाड़ी में सवार होकर मधेपुरा जिला लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और ट्रक से पीछे से टकरा गई। इस घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही बेगूसराय एसपी मनीष कुमार और सदर डीएसपी आनंद पांडेय समेत भारी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। मृतकों की पहचान साजन पासवान रतवारा थाना प्रभारी, नीरज कुमार बेलारी थाना प्रभारी, ज्ञानेंद्र अमरेंद्र आरर थाना प्रभारी और निजी कार चालक ज्योतिष कुमार के रूप में की गई है। दो थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र व नीरज कुमार और ड्राइवर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक थाना प्रभारी साजन पासवान को स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर के बाद मौत हो गई। इस तीन पुलिस अधिकारी समेत चार की मौत की खबर लगते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई।

ममता बनर्जी को एक और झटका, सिर्फ 2 महीने में ही इस मशहूर एक्ट्रेस ने छोड़ी राज्यसभा की कुर्सी; अब सिर्फ 9 सांसद बचे

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। तीन राज्यसभा सांसदों के जाने के झटके से ममता बनर्जी अभी उबर भी नहीं पाई थीं कि अब उन्हें चौथा और बड़ा झटका लगा है। मशहूर बंगाली अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनसे पहले सुखेंदु शेखर रे, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक भी इस्तीफा दे चुके हैं। कोयल मल्लिक राज्यसभा की चौथी सांसद बन गई हैं, जिन्होंने अचानक अपना पद छोड़ दिया है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उन्होंने टीएमसी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दिया है या नहीं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से ही ममता बनर्जी को लगातार एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। सबसे पहले तीन दर्जन से अधिक विधायकों ने टीएमसी का साथ छोड़कर ममता को राजनीतिक हाशिए पर धकेल दिया था। इसके बाद काकोली घोष दास्तीदार के नेतृत्व में एक दर्जन लोकसभा सांसदों ने भी पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। एक समय 13 राज्यसभा सांसदों के दम पर केंद्र सरकार को चुनौती देने वाली ममता बनर्जी के लिए अब राज्यसभा में भी संकट गहरा गया है।

खाड़ी क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर अमेरिकी हमले से भड़के राहुल, कहा- विदेश में भारतीयों की हत्या पर बोलना पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में ओमान तट के करीब भारतीय क्रू वाले 3 कमर्शियल जहाजों पर अमेरिकी नौसेना के हमले को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इससे पहले कांग्रेस ने भी कल गुरुवार को ओमान तट के पास एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले में 3 भारतीयों की मौत पर दुख जताया और कहा कि इस हत्या पर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज शुक्रवार को भारतीय क्रू वाले 3 कमर्शियल जहाजों पर अमेरिकी नौसेना के हमले की निंदा की। मोदी सरकार पर हमला करते हुए राहुल गांधी ने कहा, "अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में 3 दिन में 3 जहाजों पर अमेरिकी हमलों में 3 भारतीयों की मौत हो गई। और हमारे Compromised PM?

एक शब्द तक नहीं।" उन्होंने आगे कहा, "जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करे, तो प्रधानमंत्री को बोलना पड़ता है। लेकिन मजाल है जो ये एक शब्द बोल जाएं। अगले हफ्ते G7 में, हमारे नाविकों की हत्या के महज चंद दिनों बाद, मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौते करेंगे- मगर, उन 3 भारतीयों के लिए उनके पास एक शब्द भी नहीं होगा। Compromised PM भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते, क्योंकि जिन्होंने उन बेटों की जान ली उन्हें नाराज करने की इनमें न हिम्मत है, न ताकत।" इससे पहले कांग्रेस ने अमेरिकी नौसेना की ओर से किए गए हमले में 3 भारतीय नाविकों की मौत पर दुख जताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। पार्टी की ओर से मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि इस मामले में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार को राजनयिक कदम उठाने चाहिए। खेड़ा ने कहा, "कांग्रेस 3 भारतीय नाविकों की दुखद मृत्यु पर शोक व्यक्त करती है। हम उनके परिवारों और परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हैं। साथ ही इस कठिन समय में उनके साथ एकजुटता से खड़े हैं।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस अमेरिका की ओर से की गई उन सैन्य कार्रवाइयों की कड़े शब्दों में निंदा करती है जिन्होंने इस क्षेत्र में आम नागरिकों के जहाजों और समुद्री कर्मियों के जीवन को खतरे में डाल दिया।

नोएडा से जेवर एयरपोर्ट तक चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें, सीएम योगी ने दिखाई हरी झंडी, अयोध्या को लेकर कही ये बात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र में संयुक्त रूप से जेवर एयरपोर्ट तक संचालित होने वाली उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) की 45 इलेक्ट्रिक बसों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाई। इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत के साथ ही, मुख्यमंत्री ने नए नोएडा बस डिपो का भी उद्घाटन किया, जिससे इलाके के ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की क्षमता बढ़ गई है। नई इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, 100 इलेक्ट्रिक बसें

(जिनमें 10 डबल-डेकर बसें शामिल हैं) तैनात की गई हैं और सेक्टर-90 बस डिपो से चलने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'EV बसें 15 जून से चलनी शुरू हो जाएंगी और जेवर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ़्लाइट के बाद की सेवाओं की मांग के हिसाब से हमारा लक्ष्य 500 EV बसें चलाने का है।' उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश में ही बसें बनाने के लिए 2 इलेक्ट्रिक बस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट (टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड) लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यमुना अथॉरिटी की तरफ से 3 हाइड्रोजन बसें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर जनपद के अंदर एक बड़े लक्ष्य को लेकर के हम आगे बढ़े हैं। नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में आज आपको परिवर्तन देखने को मिल रहा होगा। 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश में टूटी हुई सड़कें थी और बिजली नदारत थी। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में अराजकता पूर्ण वातावरण था। प्रदेश के अंदर चारों ओर अव्यवस्था, अराजकता के वातावरण में प्रदेश के नागरिकों के सामने पहचान का एक संकट खड़ा हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप सोचो ना... कभी त्रेता युग में भगवान श्री राम पुष्पक विमान से अयोध्या आए होंगे। लेकिन इसके बाद कभी अयोध्या वासियों को वायु सेवा प्राप्त नहीं हो पाई होगी। हजारों वर्षों तक अयोध्या उपेक्षित थी। आजादी के बाद भी लगातार अपमानित थी। आज अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनकर के तैयार है और महर्षि वाल्मीकि को समर्पित एयरपोर्ट आज अयोध्या में संचालित हो रहा है।

'पहले इस्तीफा दें फिर भाजपा के टिकट पर लड़ें चुनाव', महुआ मोइत्रा ने 19 बागी सांसदों पर साधा निशाना

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को पार्टी के बागी सांसदों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह संविधान की गलत व्याख्या कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने संसद में एक अलग गुट के रूप में मान्यता मांगने का उनके पास कोई कानूनी आधार नहीं हैं। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में मोइत्रा ने कहा कि 91वें संवैधानिक संशोधन 2003 ने अलग गुट के प्रावधान को हटा दिया है। सभी 19 बागी सांसदों को इस्तीफा देना चाहिए और भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहिए। मोइत्रा ने लिखा 'गद्दार टीएमसी सांसदों को कानून का ज्ञान नहीं है। संविधान के 91वें संशोधन 2003 ने विभाजन/अलग गुट बनाने के प्रावधान को हटा दिया है। सांसदों

की संख्या मायने नहीं रखती। मूल राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्यों को किसी अन्य दल में विलय करना होगा। सभी 19 गद्दारों को इस्तीफा देकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहिए।'

इलेक्शन प्रोसेस में हस्तक्षेप नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें मध्य प्रदेश से उनके राज्यसभा नामांकन को रद्द किए जाने को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि अदालतें चल रही चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकतीं और उनके पास चुनाव याचिका दायर करने का ही रास्ता है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने कहा कि स्थापित कानूनी स्थिति के अनुसार चुनाव के दौरान न्यायिक दखल की मनाही है, और इस चरण पर कोर्ट के अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करने की नटराजन की कोशिश को खारिज कर दिया। कोर्ट ने गौर किया कि रिटर्निंग ऑफिसर ने नटराजन का नॉमिनेशन इस आधार पर खारिज कर दिया था कि उन्होंने अधूरा 'फॉर्म 26' हलफनामा दाखिल किया था और

अपने खिलाफ लंबित शिकायत मामले की जानकारी नहीं दी थी।

रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश में यह भी दर्ज था कि नटराजन ने शिकायत की कार्यवाही में लिखित दलीलें दी थीं और इसलिए उन्हें मामले की जानकारी थी। बेंच ने यह भी गौर किया कि नटराजन ने रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले के खिलाफ चुनाव आयोग से संपर्क किया था और लिखित में अपनी बात रखी थी। उन्होंने 10 जून को पूरे चुनाव आयोग के सामने खुद अपना पक्ष भी रखा था, लेकिन उनकी अर्जी पर कोई आदेश जारी नहीं किया गया। नटराजन की ओर से पेश हुए सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि संविधान के आर्टिकल 329(b) के तहत रोक लागू नहीं होती, क्योंकि याचिका का मकसद निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करना था, न कि चुनाव में बाधा डालना।

ममता बनर्जी के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर, राजनीतिक भाषण के दौरान एक समुदाय को दी थी चेतावनी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रे टूटकर बिखर गई है। 28 साल पुरानी TMC पार्टी 28 दिन भी अपनी हार नहीं पचा पाईष तृणमूल कांग्रेस के विधायक, सांसद, पार्षद सब भाग रहे हैं। कोलकाता से लेकर दिल्ली तक ममता के खिलाफ बगावत हो रही है। छोटे बड़े सभी लीडरों में पार्टी छोड़ने को लेकर होड़ मची है। इस बीच ममता बनर्जी पर एक और मुसीबत आ गई है। कोलकाता में ममता बनर्जी के खिलाफ पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है। दरअसल, मार्च 2026 में एक राजनीतिक भाषण के दौरान ममता ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई ख़ास समुदाय एकजुट हो जाए, तो इसके दूसरों के लिए गंभीर नतीजे हो सकते हैं। ममता के सार्वजनिक भाषणों का हवाला देते हुए एक व्यापारी ने हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे अब कोलकाता पुलिस ने FIR के तौर पर दर्ज कर लिया है।

दूसरी ओर ममता के भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भी पुलिस ने पहले ही FIR दर्ज की हुई है। अभिषेक बनर्जी के CID ने गुरुवार को पूछताछ की है। इसके अलावा पुलिस ने फलता में टीएमसी नेता जहांगीर खान की परेड निकाली है। जहांगीर खान को हाफ पैंट में फलता की उन सड़कों पर गलियों में घुमाया जहां कभी जहांगीर खान का हुक्म चलता था। बता दें कि जहांगीर खान पर जबरन वसूली, अवैध कब्जे और लोगों को धमकाने के आरोप हैं।

ओमान तट के पास जहाजों पर हुए हमलों को लेकर भारत सख्त, अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को फिर तलब किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के तट पर कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी चार्ज डी अफेयर्स जेसन मीक्स को तलब किया। कल, 20 भारतीय क्रू सदस्यों वाले एक और जहाज पर हमला हुआ। विदेश मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी (अमेरिका) ने अमेरिकी राजनयिक को बुलाया था। यह दूसरी बार है जब विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी मिशन को तलब किया है। हमलों में से एक में तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनके बारे में शुरू में लापता होने की खबर थी। बता दें कि पिछले कुछ ही दिनों में यह दूसरी बार है जब भारत ने किसी अमेरिकी राजनयिक को तलब किया है।

विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (अमेरिका) नागराज नायडू ने जेसन

मीक्स को इस मामले में तलब किया। इसे लेकर बैठक लगभग 40 मिनट तक चली, जिसमें भारत ने कॉमर्शियल जहाज पर हुए हमले और उसमें तीन भारतीयों के मारे जाने पर अपना कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। कहा जा रहा है कि भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर फिलहाल दिल्ली से बाहर हैं, इसलिए उनकी जगह जेसन मीक्स को यह कूटनीतिक विरोध सौंपने के लिए बुलाया गया है और उन्हें जवाब देना होगा।

भारत ने अपनाया सख्त रुख

मुख्य रूप से तीन कॉमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों से जुड़े मामले में भारत ने सख्त रुख अपना है। अमेरिकी सेना ने ये हमला उस जहाज पर किया जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय चालक दल मौजूद थे। इससे पहले बुधवार को ओमान के सोहर बंदरगाह के पास पलाऊ-झंडे वाले टैंकर को अमेरिका ने निशाना बनाया था। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी सेना द्वारा दागी गई मिसाइल के कारण जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और इस हमले में 3 भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। इस हमले से पहले सोमवार को अमेरिकी नौसेना ने एक अन्य भारतीय जहाज पर हमला किया था, जिसपर 24 भारतीय नाविक मौजूद थे, जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया था। ताजा मामला इस गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले जहाज एमटी जलवीर से जुड़ा है। एमटी जलवीर को ईरान के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंध का कथित तौर पर उल्लंघन करने के बाद एक अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन कक्ष पर हमला किया था।

'शरद पवार पहल करें, कांग्रेस में विलय करें समान विचारधारा वाले दल'

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सियासी गलियारे से एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां इन दिनों विपक्षी एकजुटता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। शिवसेना-UBT के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बड़ा बयान देते हुए सुझाव दिया है कि कांग्रेस से अलग होकर बने दलों को अब एक साथ आ जाना चाहिए। उन्होंने NCP-शरद चंद्र पवार सहित अन्य समान विचारधारा वाले दलों के कांग्रेस में विलय या साथ आने की वकालत की है। संजय राउत ने कहा कि देश में बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक मजबूत विकल्प खड़ा करने के लिए 'अखंड कांग्रेस' का होना बेहद जरूरी है। संजय राउत ने देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर बात करते हुए कहा, 'एक मजबूत और

अखंड कांग्रेस को देश के भीतर एक प्रबल विकल्प के रूप में खड़ा रहना चाहिए।' राउत ने कहा कि इस बड़े कदम के लिए शरद पवार को ही आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'पवार साहब को इस संदर्भ में आगे आना चाहिए और पहल करनी चाहिए। माननीय शरद पवार जी... यह जो विचारधारा या भूमिका बन रही है, एक साथ आने की... उस संदर्भ में अगर उन्होंने नेतृत्व किया और पहल की, तो यह विचार बहुत आगे जाएगा।' जब संजय राउत से सवाल किया गया कि क्या उनके इस बयान का मतलब यह है कि शरद पवार की एनसीपी को कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? इस पर राउत ने खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जो दल कभी कांग्रेस से ही अलग हुए थे, वे आज भी उसी विचारधारा पर काम कर रहे हैं।

'बनना था हेल्पर, भेज दिया युद्ध लड़ने...' नौकरी की तलाश में रूस गए थे युवक, 2 साल बाद ताबूत में यूपी आया कंकाल

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे पूर्वांचल के युवाओं की दर्दनाक कहानी एक बार फिर सामने आई है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और मऊ जिले के कई युवक बेहतर नौकरी की तलाश में एजेंटों के झांसे में आकर वर्ष 2024 में रूस पहुंचे थे। उन्हें गार्ड और हेल्पर की नौकरी का सपना दिखाया गया था, लेकिन रूस पहुंचने के बाद कथित तौर पर उन्हें जबरन सेना की ट्रेनिंग देकर युद्ध क्षेत्र में भेज दिया गया। इसी दौरान दो युवकों की मौत हो गई, जिनके शरीर का अवशेष दो साल बाद उनके घर पहुंचा है।

गुरुवार को आजमगढ़ शहर के गुलामी का पूरा निवासी अजहरुद्दीन और मऊ जिले के निवासी रामचंद्र के अवशेष उनके परिजनों को सौंपे गए।

दोनों लंबे समय से लापता थे। उनके शवों की पहचान डीएनए जांच के जरिए की गई, जिसके बाद रूस से उनके अवशेष भारत भेजे गए।आजमगढ़ और मऊ जिले के कई युवक जनवरी 2024 में रोजगार की तलाश में एजेंटों के संपर्क में आए थे। परिजनों का आरोप है कि मऊ निवासी एक एजेंट ने उन्हें गार्ड और हेल्पर की नौकरी का लालच देकर रूस भेजा था। वहां पहुंचने के बाद युवकों को कथित रूप से युद्ध क्षेत्र में भेज दिया गया। इस दौरान कई लोग घायल हुए, कुछ वापस लौट आए, जबकि कई युवक लापता हो गए।

अजहरुद्दीन 27 जनवरी 2024 को रूस गया था। उसके लापता होने के बाद परिवार लगातार उसकी तलाश में जुटा रहा। मृतक के भाई अजीमुद्दीन ने बताया कि वह अपने भाई की खोज में सऊदी अरब की नौकरी छोड़कर भारत और रूस के विभिन्न सरकारी कार्यालयों और दूतावासों के चक्कर लगाता रहा। लंबे प्रयासों और सरकारी मदद के बाद आखिरकार उसके भाई के अवशेष भारत लाए जा सके। परिजनों का कहना है कि यह एक बड़े स्तर का धोखाधड़ी का मामला है, जिसमें युवाओं को नौकरी का झांसा देकर युद्ध क्षेत्र में पहुंचाया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मृतकों के बकाया वेतन और अन्य वित्तीय दावों का भुगतान कराने की भी मांग उठाई है।

डीएनए से हुई पहचान

जिला प्रशासन की ओर से वाराणसी एयरपोर्ट से अवशेषों को लाकर परिजनों को सौंपने की व्यवस्था की गई। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सभी औपचारिकताएं पूरी की गईं। मृतक के परिजनों के अनुसार, रूस में बड़ी संख्या में युद्ध में मारे गए लोगों के शव मौजूद थे, जिनकी पहचान करना बेहद मुश्किल था। इसी कारण डीएनए नमूनों की मदद ली गई। डीएनए मिलान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही अजहरुद्दीन की पहचान सुनिश्चित हो सकी और उसके अवशेष भारत भेजे गए।

पालिका अध्यक्ष ने किया लोक कल्याण मेले का शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) एवं नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को नगर पालिका कार्यालय परिसर में पीएम स्वनिधि योजनांतर्गत एक दिवसीय लोक कल्याण मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल रहे।

मेले में पीएम स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेताओं को 15 हजार, 25 हजार और 50 हजार रुपये तक के ऋण वितरित किए गए। साथ ही समय पर ऋण अदायगी करने वाले 17 लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें 15 हजार रुपये ऋण श्रेणी के 5, 25 हजार रुपये श्रेणी के 4 तथा 50 हजार रुपये श्रेणी के 8 लाभार्थी शामिल रहे। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं से योजना का लाभ लेने तथा समय से ऋण की किस्त जमा करने की अपील की। उन्होंने बताया कि गंदानाला सिविल लाइन स्थित वेंडिंग जोन में आवश्यक सुविधाओं के साथ प्रतिबंधमुक्त पथ विक्रय बाजार संचालित किया जा रहा है, इसलिए सभी विक्रेता निर्धारित स्थान पर ही अपनी दुकानें लगाएं और अतिक्रमण से बचें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए परियोजना अधिकारी डूडा संजय सिंह ने पथ विक्रेताओं को विभिन्न लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

करोड़ों का पुल या भ्रष्टाचार का पुल? निर्माण पूरा होने से पहले दरारों पर उठे बड़े सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बिजेथुआ महावीरन धाम के पास गोमती नदी पर गुदरा घाट में निर्माणाधीन पुल को लेकर नया विवाद सामने आया है। पुल की नींव में कथित दरार पड़ने की चर्चाओं ने निर्माण की गुणवत्ता और जिम्मेदार एजेंसियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कांग्रेस नेता वरुण मिश्रा ने उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के अधीन चल रहे इस निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुल अभी पूरी तरह तैयार भी नहीं हुआ, तब उसकी नींव पर सवाल क्यों खड़े हो रहे हैं। क्या जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये सिर्फ कागजों में मजबूत और जमीन पर कमजोर ढांचों के लिए खर्च किए जा रहे हैं। वरुण मिश्रा ने

कहा कि यदि निर्माण में पारदर्शिता और गुणवत्ता का पालन हुआ है तो संबंधित संस्था को तत्काल तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। अन्यथा यह संदेह और गहरा होगा कि कहीं निर्माण में मानकों से समझौता तो नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द ही जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच, तकनीकी ऑडिट और दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कार्रवाई की मांग की जाएगी। जनता के बीच भी यह सवाल उठ रहा है कि क्या पुल बनने से पहले ही जवाबदेही की नींव दरक गई है? यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सिर्फ निर्माण की नहीं बल्कि करदाताओं के विश्वास के साथ भी बड़ा खिलवाड़ माना जाएगा।

जुबान फिसली या राजनीति भारी पड़ गई- पूर्व विधायक सफदर रजा

सुल्तानपुर। भाजपा विधायक विनोद सिंह के कथित बयान पर सियासी पारा चढ़ गया है। पूर्व विधायक सफदर रजा खान ने आरोप लगाया कि पुल शिलान्यास कार्यक्रम विकास से ज्यादा विभाजनकारी भाषा का मंच बन गया। उन्होंने कहा कि अगर विधायक ने सच में सभी मुसलमानों को आतंकवादी बताया और पाकिस्तान भेजने जैसी बातें कहीं हैं, तो यह केवल बयान नहीं बल्कि सामाजिक सौहार्द को चुनौती है। रजा ने तंज कसते हुए कहा कि जो कभी वोट मांगने हर घर जाते थे, आज वही पहचान के आधार पर लोगों को बांटने की भाषा बोल रहे हैं? उन्होंने सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर कानूनी कार्रवाई और एफआईआर की मांग की जाएगी।

पूर्व विधायक ने सवाल उठाया कि क्या देश के लिए बलिदान देने वाले मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व राष्ट्रपति भी ऐसे बयानों की कसौटी पर खरे उतरेंगे।

बाहर निकलने पर क्या करोगे? जज के सवाल पर बोला– मर्डर करूंगा... गाजीपुर में भांजे के हत्यारे मामा को मिली फांसी की सजा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले में भांजे की हत्या मामले में कोर्ट ने 5 साल बाद मृतक के सगे मामा को मौत की सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई के दौरान कुल 9 गवाह पेश किए गए। खास बात यह रही कि आरोपी अमजद की तीन बहनों और एक भाई ने भी अदालत में उसके खिलाफ गवाही दी। घटना अक्टूबर 2021 में जिले के गहमर थाना क्षेत्र के बारा गांव में हुई थी।

अमजद खान ने 21 अक्टूबर 2021 को अपनी बहन के चार वर्षीय बेटे दानियाल की गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना के दिन अमजद कथित तौर पर नशे की हालत में घर पहुंचा था। उसकी बहन और भांजा पिछले करीब एक साल से उसके घर पर रह रहे थे। अमजद ने घर के आंगन में खेल रहे अपने भांजे दानियाल को कमरे में बुलाया और उसे पलंग पर लिटाने के बाद धारदार हथियार से उसका गला काट दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीणों ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया था। मामले में दानियाल के चाचा अरबाज खान की तहरीर पर 22 अक्टूबर 2021 को गहमर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था।

सहायक शासकीय अधिवक्ता अखिलेश सिंह ने बताया कि मामले की सुनवाई के दौरान कुल 9 गवाह पेश किए गए। खास बात यह रही कि आरोपी अमजद की तीन बहनों और एक भाई ने भी कोर्ट में उसके खिलाफ गवाही दी, जिसके बाद उसे सजा सुनाई गई।

जो भी उलझेगा मार दूंगा

सजा सुनाने से पहले अपर सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह ने आरोपी से पूछा कि क्या उसे अपने किए पर पछतावा है। इस पर अमजद ने कहा कि उसे कोई पछतावा नहीं है। साथ ही उसने कहा कि जो भी उससे उलझेगा वह उसे मार देगा। कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने जिस निर्ममता से अपने ही मासूम भांजे की हत्या की, वह क्रूरता की सभी सीमाओं को पार करने वाला अपराध है। कोर्ट ने उसे 50 हजार रुपए जुर्माना और फांसी की सजा सुनाई।

इंस्टाग्राम पर लाइव आकर युवक ने खुद को गोली मारी, बोला– 'मैं मर रहा हूं न परिवार, न प्यार और न यार जिम्मेदार...'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मवाना (मेरठ)। व्यापारी के इकलौते बेटे ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर खुद को गोली मार ली। गोली कनपटी पर दायीं ओर फंस गई। वह खुद ही चलकर मध्य गंगनहर से थाने पहुंचा। पुलिस ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया जहां से मेरठ रेफर कर दिया। वह बीकाम तृतीय वर्ष का छात्र है। उसने ढाई मिनट के लाइव में कहा, मैं मर रहा हूं न परिवार, न प्यार व न यार जिम्मेदार हैं। जीने की इच्छा नहीं है, बस अब मरना चाहता हूं। स्वजन ने उसे सिर्फ गुस्सैल बताया है।

मुहल्ला तिहाई के प्रीतनगर निवासी सुबोध रस्तोगी का मेडिकल स्टोर है। उनका 20 वर्षीय इकलौता बेटा देवांश सुभारती विश्वविद्यालय से बीकाम कर रहा है। गुरुवार शाम को वह लापता हो गया। रात सवा आठ बजे वह इंस्टाग्राम पर लाइव आया और कहा कि वह मरना चाहता है। इसके लिए दोषी न माता-पिता हैं और न प्यार और न यार-दोस्त है।

ढाई मिनट की स्टोरी में उसने खुद को दबंग व किसी से कम भी नहीं होने का दावा किया। इंस्टाग्राम से जुड़े दोस्तों ने उसे लाइव देखकर उसके स्वजन को सूचना दी। उसे काफी देर तक खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। वह खुद ही मध्य गंगनहर से पैदल आकर थाने पहुंचा। उसके दाएं कान के ऊपर गोली फंसी हुई थी। पुलिस ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया।

इस बीच स्वजन व दोस्त भी वहां पहुंचे। थाना प्रभारी ब्रह्म कुमार त्रिपाठी ने पूछताछ की तो उसने कहा वह मरना चाहता है। नहर पर एक खेत में गया और कुछ देर वहीं पर रहा। फिर उसने पिस्टल से खुद को गोली मार ली।

सीओ पंकज लवानिया भी सीएचसी पहुंचे। पुलिस .32 प्वाइंट की पिस्टल से गोली मारने की बात कह रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक उसके बताए खेत में गए और हथियार तलाशा, लेकिन नहीं मिला। पिता ने गोली मारने का कारण नहीं बताया, सिर्फ उसके गुस्सैल होने की बात कही। उसे मेरठ मेडिकल कालेज अस्पताल भेज दिया है।

इन्होंने कहा....

युवक ने गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। वजह सामने नहीं आई है। प्राथमिकता उसकी जान बचाने की है। गोली पिस्टल से मारी गई लगती है। पुलिस खेत में हथियार तलाशने गई थी, लेकिन अंधेरा होने के चलते सफलता नहीं मिली।
पंकज लवानिया, सीओ मवाना

बिना घबराए करता रहा पुलिस से बात

नजदीक से गोली मारने पर वह हड्डी में ही फंस गई। सिर में खून नहीं निकल रहा था और न ही वह घबरा रहा था। घटनास्थल थाने से करीब दो किलोमीटर दूर है। गोली मारने के बाद कुछ देर तक मिट्टी में पड़ा रहा, फिर उठा और पैदल थाने पहुंच गया। उसने बताया कि दूसरी गोली चलाने की हिम्मत नहीं हुई। उसके पास कई कारतूस थे।

पुलिस लाइन्स में लखनऊ जोन की भव्य प्रतियोगिता का शुभारंभ

सुल्तानपुर। जनपद सुलतानपुर एक बार फिर खेल और अनुशासन की मिसाल बनकर उभरा, जब शुक्रवार को पुलिस लाइन्स परिसर में 27वीं अंतर-जनपदीय (लखनऊ जोन) वॉलीबॉल एवं सेपक टकरा प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी सुलतानपुर पुलिस द्वारा की जा रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। इस आयोजन की सबसे विशेष बात यह रही कि पुलिस अधीक्षक चारू निगम स्वयं प्रतियोगिता की सचिव के रूप में इसकी निगरानी कर रही हैं। उनके कुशल नेतृत्व और बेहतर प्रशासनिक क्षमता के चलते प्रतियोगिता के लिए उच्चस्तरीय खेल सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

दिल्ली में बारिश... यूपी के 19 जिलों में आंधी–तूफान का अलर्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दिल्ली, यूपी और बिहार सहित कई राज्यों में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने आज दिल्ली में आंधी-तूफान और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार शाम और रात के समय धूल भरी आंधी और बारिश की संभावना है। 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान का भी असर देखने को मिलेगा।

कल रात दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी यूपी के कई हिस्सों में आंधी-तूफान के बाद बारिश से लोगों को गर्मी से बहुत राहत मिली। आज भी मौसम सुहावना बना हुआ है और आसमान में बादलों की आवाजाही जारी है। आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने आज यूपी के 19 जिलों में आंधी-तूफान और

बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं 70 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, कानपुर और अलीगढ़ सहित 19 जिलों में आंधी-तूफान, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है।

बिहार और झारखंड में भी आज बारिश की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार आज बिहार के कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है और कई जिलों में बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने आज हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश के साथ आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। कई इलाकों में 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती हैं। वहीं उत्तराखंड और हिमाचल के कुछ जिलों में ओलावृष्टि की भी आशंका जताई गई है।

कहां पहुंचा मानसून?

दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून ने कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में दस्तक दे दी है। अगले दो से तीन दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है।

बस्ती में मदरसा नियुक्ति घोटाला, जीवित को मृत बताकर नौकरी दिलाने वाला गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। मदरसा नियुक्तियों से जुड़े एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए थाना नगर पुलिस ने धोखाधड़ी और कूटरचना के मामले में आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान अब्दुर्रव पुत्र बिस्मिल्लाह निवासी ग्राम मटेरा, थाना नगर, जनपद बस्ती के रूप में हुई है।

आरोप है कि उसने दस्तावेजों में हेराफेरी कर एक जीवित व्यक्ति को मृत दर्शाया और उसके स्थान पर अपने स्वजन की नियुक्ति मदरसे में करा दी। पुलिस की जांच में मामला सही पाए जाने के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब मदरसे में हुई नियुक्तियों और अभिलेखों की जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पाया गया कि आरोपी ने सुनियोजित तरीके से फर्जी दस्तावेज तैयार कर संबंधित व्यक्ति को रिकॉर्ड में मृत दर्शाया और इस आधार पर स्वजन को नियुक्ति का लाभ दिलाने का प्रयास किया।

पुलिस अधीक्षक बस्ती डॉ. यशवीर सिंह द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में थाना नगर पुलिस को आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे।

इसी क्रम में थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार सुबह फुटहिया क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थाना नगर पर मे विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है। फर्जी नियुक्ति प्रकरण में यदि अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता या किसी अधिकारी-कर्मचारी की भूमिका सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में 4 लाख माफ ई–चालान फिर होंगे एक्टिव! जुर्माना भरिए या कार्रवाई झेलिए, घर बैठे ऐसे करें चेक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2017 से 2021 के बीच माफ किए गए करीब 13 लाख ई-चालानों में से गंभीर प्रकृति के लगभग 4 लाख चालानों को दोबारा सक्रिय करने का फैसला लिया है। इनमें जुर्माना भरना पड़ेगा या नियमानुसार कार्रवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद यह निर्णय लिया गया है। कोर्ट ने गंभीर यातायात उल्लंघनों को माफी देने पर चिंता जताई थी। परिवहन विभाग को इसकी पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 के बीच कुल 30.52 लाख नॉन-टैक्स ई-चालान जारी हुए थे। इनमें से 17.59 लाख का निस्तारण पहले ही हो चुका था, जबकि करीब 13 लाख चालान

लंबित थे। इन्हें माफी योजना के तहत बंद कर दिया गया था, जिससे वाहन मालिकों को फिटनेस, परमिट, ट्रांसफर और HSRP जैसी सेवाओं में राहत मिली। अब सरकार ने इनमें से गंभीर मामलों की दोबारा समीक्षा का फैसला किया है। अनुमान है कि माफ किए गए चालानों में से 30-35% करीब 4 लाख मामलों में जुर्माना भरना पड़ सकता है।

किन चालानों पर दोबारा कार्रवाई?

जिला स्तर पर बनाई जाने वाली विशेष समितियां तीन श्रेणियों के चालानों की जांच करेंगी। इसमें अलग-अलग तरह के मामले शामिल किए हैं जैसे गैर-शमनीय, नॉन-कंपाउंडेबल अपराध- जिनका मौके पर समझौता या सामान्य जुर्माने से निस्तारण नहीं हो सकता। वहीं, जेल की सजा वाले मामले- जहां कानून में जेल का प्रावधान है। बार-बार उल्लंघन करने वाले चालक,जिनका रिकॉर्ड बार-बार नियम तोड़ने का है। ये समितियां लंबित चालानों की सूची तैयार करेंगी और गंभीर मामलों को दोबारा सक्रिय करेंगी। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के पोर्टल के जरिए डेटा अपडेट किया जाएगा।

लोग अपना चालान कैसे चेक करें?

वाहन मालिक घर बैठे आसानी से पता लगा सकते हैं कि उनका चालान दोबारा सक्रिय हुआ है या नहीं। इसके लिए उन्हें ई-चालान पोर्टल पर जाना होगा या फिर परिवाहन वेबसाइड https://echallan.parivahan.gov.in पर जाकर "Accused Challan" या चालान स्टेटस विकल्प चुनें। अपना वाहन नंबर दर्ज करें। कैप्चा भरें और Get Details पर क्लिक करें। OTP वेरिफिकेशन के बाद चालान की पूरी डिटेल और स्टेटस दिख जाएगा। अगर चालान दोबारा सक्रिय होता है तो पोर्टल पर जुर्माना राशि और भुगतान का विकल्प दिखेगा। परिवहन विभाग जल्द ही सभी जिलों में कमेटियां गठित कर प्रक्रिया शुरू करेगा।

तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को स्वीकार नहीं हो रहा देश का बदला स्वरूप: सीएम योगी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में विकास, सुशासन, सुरक्षा, विरासत के सम्मान और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कार्य हुआ तो वे लोग असहज होने लगे, जिनकी राजनीति वर्षों तक भ्रष्टाचार, कुशासन, परिवारवाद, तुष्टिकरण, अव्यवस्था और असुरक्षा पर आधारित रही। उन्हें यह विकास और परिवर्तन स्वीकार नहीं हो रहा है।

पहले देश की आस्था, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीकों से दूरी बनाई जाती थी। समाज को जाति, क्षेत्र, भाषा और मत-मजहब के आधार पर बांटा जाता था। वह शुक्रवार को लोकभवन में पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर पत्रकारों को संबोधित कर

रहे थे। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, सामर्थ्य और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है। आज देश का प्रत्येक नागरिक नए भारत का हिस्सा होने पर गर्व महसूस कर रहा है। स्वतंत्रता के बाद योजनाएं बनती रहीं, लेकिन उनके क्रियान्वयन पर ध्यान नहीं दिया गया। आज यूपी को केंद्र की योजनाओं की सर्वाधिक लाभ मिल रहा है। देश ने पिछले 12 वर्षों में आस्था व आर्थिक विकास का अद्भुत संगम देखा है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में सफलता पाई। गरीब अब केवल वोट बैंक नहीं रहा, बल्कि विकास प्रक्रिया का केंद्र बन चुका है। महिलाओं के लिए भी तमाम कार्य पहली बार हुए। शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिला।

युवाओं को विश्वास हुआ कि वे नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बन सकते हैं। किसानों को मजबूत किया गया। यूपी में 3 करोड़ से अधिक किसान सम्मान निधि प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, एनडीए के सहयोगी अपना दल के नेता एवं मंत्री आशीष पटेल, सुभासपा अध्यक्ष एवं मंत्री ओम प्रकाश राजभर, निषाद राज पार्टी अध्यक्ष व मंत्री संजय निषाद, राष्ट्रीय लोक दल के नेता व मंत्री अनिल कुमार तथा एमएलसी मानवेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

सीएम ने कहा कि पहले सीमा पार से होने वाले हमलों और आतंकी घटनाओं पर प्रतिक्रिया सीमित रहती थी। यूपीए शासनकाल में दुश्मन देश भारतीय सैनिकों के सिर काटकर ले गया था, लेकिन सरकार मौन रही। संसद में इस विषय को उठाने पर संबंध खराब होने की दलील दी जाती थी। अब भारत अपनी सुरक्षा के साथ समझौता नहीं करता। निर्णायक जवाब देता है। ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल और एयर स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों से सुरक्षा मजबूत होने के साथ सैनिकों का मनोबल भी बढ़ा है। मैंने गोरखपुर का सांसद रहते हुए नक्सलवाद की चुनौती को निकट से देखा था। छत्तीसगढ़ में चुनाव के दौरान बस्तर व कोंडागांव जैसे क्षेत्रों में भारी सुरक्षा के बीच जनसभाएं करनी पड़ी थी। अब इस क्षेत्र का स्वरूप बदल चुका है। वहां होटल बन रहे हैं, उद्योग स्थापित हो रहे हैं। पीएम की प्रभावी रणनीति से देश नक्सलवाद से मुक्त हो रहा है। सीएम ने कहा कि पहली बार देश की आस्था व सांस्कृतिक विरासत को वह सम्मान मिला, जिसकी लंबे समय से अपेक्षा थी। 500 वर्षों के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। मोदी पहले प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने राम मंदिर के शिलान्यास, प्राण-प्रतिष्ठा तथा मंदिर पर सनातन ध्वज आरोहण किया। अयोध्या में रामलला की प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और केदारपुरी के पुनरुद्धार जैसे कार्य देश की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध आदि से पनपी वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों को ऊर्जा संकट से बचाए रखा। जब अमेरिका सहित अनेक देशों में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई और महंगाई ने आम लोगों को प्रभावित किया, तब भी भारत ने ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की। महंगाई को भी नियंत्रित रखा।

नेपाल से मुंबई तक फैले हेरोइन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 1.20 करोड़ रुपये की ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कमिश्नरेट पुलिस और एसटीएफ बरेली को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 600 ग्राम हेरोइन (ब्राउन शुगर) बरामद की है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस का मानना है कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े नेटवर्क के खिलाफ महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।पुलिस आयुक्त लखनऊ एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना इटौंजा पुलिस को एसटीएफ फील्ड इकाई बरेली से महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हुई कि कुछ तस्कर नेपाल से बड़ी मात्रा में हेरोइन लेकर मोटरसाइकिल से लखनऊ आ रहे हैं और यहां से ट्रेन के माध्यम से मुंबई जाने की तैयारी में हैं।सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना इटौंजा पुलिस और एसटीएफ बरेली की संयुक्त टीम ने इटौंजा टोल प्लाजा के आसपास सघन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उनके कब्जे से 600 ग्राम हेरोइन/ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके बाद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रकाश सिंह (26 वर्ष) पुत्र सतनाम सिंह निवासी ग्राम कढ़िया, थाना तिकुनिया, जनपद लखीमपुर खीरी तथा आकाशदीप सिंह (20 वर्ष) पुत्र गुरमीत सिंह निवासी खैरतिया कुवायुदियाला घाट, थाना तिकुनिया, जनपद लखीमपुर खीरी के रूप में हुई है।पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे नेपाल से अवैध रूप से हेरोइन खरीदकर भारत लाते थे और फिर महाराष्ट्र के पुणे एवं मुंबई जैसे बड़े शहरों में ऊंचे दामों पर बेचते थे। तस्करी से होने वाले मुनाफे से ही वे अपनी आजीविका चलाते थे। आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे इस बार भी हेरोइन की खेप लेकर मुंबई जाने की तैयारी में थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए।जांच में सामने आया है कि आरोपी नेपाल सीमा का उपयोग कर मादक पदार्थों की तस्करी करते थे। वे मादक पदार्थ को चोरी-छिपे सीमा पार कराकर भारत में लाते और फिर विभिन्न राज्यों में इसकी आपूर्ति करते थे। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा इनके संपर्क किन तस्करों और खरीददारों से जुड़े हुए हैं।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने हेरोइन के अलावा एक पल्सर मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड, नेपाली मुद्रा के दो नोट तथा चार एटीएम कार्ड भी बरामद किए हैं। बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजा गया है।इस संबंध में थाना इटौंजा में मु.अ.सं. 82/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21सी/60 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

लखनऊ में आयोजित हुआ पहला रिट जागरूकता कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इंडियन रिट एसोसिएशन (आईआरए) ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में अपना पहला रिट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य निवेशकों को रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रिट) के बारे में जागरूक करना तथा निवेश के एक उभरते हुए और संगठित विकल्प के रूप में इसकी संभावनाओं से परिचित कराना था। इस आयोजन के माध्यम से निवेशकों के बीच रिट की समझ को बढ़ावा देने और इसके प्रति विश्वास विकसित करने का प्रयास किया गया।कार्यक्रम में वित्तीय क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने रिट की कार्यप्रणाली, इसके लाभ, जोखिम तथा निवेशकों के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि रिट एक विनियमित निवेश माध्यम है, जिसके जरिए निवेशक बड़े वाणिज्यिक रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश कर सकते हैं। इन परिसंपत्तियों में प्रमुख रूप से आधुनिक कार्यालय परिसर, व्यावसायिक भवन और शॉपिंग सेंटर शामिल होते हैं, जो नियमित रूप से किराया आय उत्पन्न करते हैं।विशेषज्ञों ने बताया कि रिट के माध्यम से प्राप्त किराया आय का बड़ा हिस्सा निवेशकों में वितरित किया जाता है। रिट की इकाइयां शेयरों की तरह शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होती हैं और उनकी खरीद-फरोख्त की जा सकती है, जिससे निवेशकों को तरलता की सुविधा भी प्राप्त होती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अनुसार सूचीबद्ध रिट को अपने शुद्ध वितरण योग्य नकदी प्रवाह का कम से कम 90 प्रतिशत हिस्सा यूनिटधारकों में वितरित करना अनिवार्य है।कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि भारत में वर्ष 2019 में पहले रिट की शुरुआत के बाद से इस क्षेत्र में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को भगाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के नाका हिण्डोला थाना क्षेत्र से नाबालिग किशोरी को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त को ऐशबाग पुल के पास से पकड़कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। मामले में पीड़िता को पूर्व में ही सकुशल बरामद किया जा चुका है।पुलिस के अनुसार इस संबंध में वादी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना नाका हिण्डोला में मु.अ.सं. 37/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87 एवं 137(2) में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि सिद्धार्थनगर जनपद के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भादमुस्तहकम टोला परसोना निवासी मुन्ना उर्फ मकसूद खान ने वादी की लगभग 15 वर्षीय नाबालिग बहन को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय को मिला अनुभवी नेतृत्व, संयुक्त सचिव बने शैलेन्द्र नाथ मिश्रा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय में शैलेन्द्र नाथ मिश्रा के संयुक्त सचिव पद पर नियुक्त होने से अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच खुशी का माहौल है। उनकी नियुक्ति को सचिवालय की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही सचिवालय परिसर में बधाइयों का दौर शुरू हो गया और विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनसे मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं।विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि शैलेन्द्र नाथ मिश्रा का प्रशासनिक अनुभव, कार्य के प्रति समर्पण और कुशल नेतृत्व क्षमता उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने अपने लंबे सेवाकाल में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर

कार्य करते हुए अपनी कार्यकुशलता और निष्ठा का परिचय दिया है। यही कारण है कि उनकी नियुक्ति से सचिवालय के कार्यों में और अधिक गति आने की उम्मीद जताई जा रही है।अधिकारियों ने कहा कि विधानसभा सचिवालय लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जहां प्रशासनिक दक्षता और समन्वय की विशेष आवश्यकता होती है। ऐसे में शैलेन्द्र नाथ मिश्रा जैसे अनुभवी अधिकारी का संयुक्त सचिव के पद पर आना संस्था के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उनके अनुभव और दूरदर्शी सोच से सचिवालय की कार्यप्रणाली को नई दिशा मिलेगी तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।सचिवालय के कर्मचारियों ने भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मिश्रा का व्यक्तित्व सरल, सौम्य और सहयोगात्मक है। वे सदैव कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करते हैं। उनके व्यवहार और कार्यशैली के कारण वे कर्मचारियों के बीच विशेष सम्मान रखते हैं। कर्मचारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में सचिवालय का कार्य वातावरण और अधिक बेहतर होगा तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलेगा।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि शैलेन्द्र नाथ मिश्रा ने अपने सेवाकाल के दौरान जिस निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन किया है,

ऊर्जा मंत्री और पावर कॉर्पोरेशन विवाद पर आम आदमी पार्टी का हमला, सरकार पर अफसरशाही हावी होने का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा और पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष के बीच सामने आए विवाद को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने इसे प्रदेश सरकार की प्रशासनिक विफलता, बढ़ती अफसरशाही और विभागीय अव्यवस्था का प्रमाण बताते हुए कहा कि यदि एक कैबिनेट मंत्री को अपने ही विभाग में कथित अनियमितताओं के खिलाफ पत्र लिखकर गुहार लगानी पड़ रही है तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।वंशराज दुबे ने जारी बयान में कहा कि मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष को पत्र लिखकर निगम में जाति और धर्म के आधार पर निर्णय लिए जाने, अनुभवी कर्मचारियों को

हटाकर अकुशल लोगों की नियुक्ति किए जाने तथा विभागीय निर्देशों की अनदेखी किए जाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह तथ्य सही हैं तो यह प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।उन्होंने कहा कि इससे यह भी स्पष्ट होता है कि सरकार के भीतर समन्वय का अभाव है और विभागीय स्तर पर मंत्री की बात को महत्व नहीं दिया जा रहा है। वंशराज दुबे ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मंत्री अपने विभाग का राजनीतिक प्रमुख होता है, लेकिन यदि उसके निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है तो यह शासन व्यवस्था की कमजोरी को दर्शाता है।आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि प्रदेश में वास्तविक सत्ता चुने हुए जनप्रतिनिधियों के बजाय कुछ प्रभावशाली अधिकारियों के हाथों में केंद्रित होती जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का तथाकथित "डबल इंजन मॉडल" अब "अफसरशाही मॉडल" में बदल गया है, जहां निर्णय अधिकारी लेते हैं और जवाबदेही मंत्रियों पर डाली जाती है।उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जाने वाले सुशासन और रामराज्य के दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ऊर्जा मंत्री की कथित बेबसी ने इन दावों की वास्तविकता उजागर कर दी है। उन्होंने पूछा कि यदि मंत्री के निर्देशों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है तो सरकार का संचालन आखिर किसके हाथों में है।वंशराज दुबे ने कहा कि सबसे गंभीर पहलू यह है कि ऊर्जा मंत्री को बिजली उपभोक्ताओं पर लगाए गए अतिरिक्त फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज की जानकारी भी कथित रूप से मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से मिली। उन्होंने इसे शासन व्यवस्था में संवादहीनता और प्रशासनिक अव्यवस्था का उदाहरण बताया। उनका कहना था कि यदि विभाग के महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी मंत्री को समय पर नहीं दी जा रही है तो यह सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाता है।उन्होंने कहा कि यदि ऊर्जा मंत्री द्वारा लगाए गए आरोप सही हैं तो बिजली विभाग में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और मनमानी की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वहीं यदि आरोप गलत हैं तो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि एक जिम्मेदार मंत्री द्वारा ऐसे आरोप सार्वजनिक रूप से क्यों लगाए गए।

चारबाग मेट्रो पुल के नीचे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पहचान में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजधानी के हुसैनगंज थाना क्षेत्र में चारबाग स्थित मेट्रो पुल के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को केकेसी महावीरपुरी निवासी अंकित सोनकर ने थाना हुसैनगंज पुलिस को सूचना दी कि केकेसी चारबाग के पास मेट्रो पुल के नीचे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मौके का निरीक्षण किया।पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि मृतक पुरुष की उम्र लगभग 40 वर्ष के आसपास प्रतीत हो रही है। प्रारंभिक निरीक्षण में शव कई दिन पुराना दिखाई दिया तथा उसमें प्राकृतिक विघटन के लक्षण भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुए।

कल्ली वाहन यार्ड में चोरी की कोशिश नाकाम, स्टेपनी चुराते दो शातिर चोर रंगे हाथ गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित एकीकृत वाहन यार्ड, कल्ली पश्चिम में चोरी की वारदात को अंजाम देने पहुंचे दो शातिर चोरों को पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सतर्क पुलिसकर्मियों की सक्रियता के चलते वाहन की स्टेपनी चोरी करने का प्रयास विफल हो गया और दोनों आरोपी मौके पर ही दबोच लिए गए। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की जा रही स्टेपनी और अन्य सामान बरामद कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार एकीकृत वाहन यार्ड, कल्ली पश्चिम स्थित न्यू पुलिस लाइन परिसर में खड़े वाहनों की सुरक्षा के लिए नियमित गश्त की जा रही थी। इसी क्रम में 11 जून को मालखाना मोहर्रिर राजीव सोनकर अपने सहयोगी पुलिसकर्मियों प्रमोद कुमार यादव, रोहित सिंह तथा गार्द कमांडर राजेश

कुमार के साथ यार्ड में ड्यूटी पर मौजूद थे। तभी उन्हें यार्ड की बाउंड्री वाल की दिशा से संदिग्ध आवाज सुनाई दी।आवाज सुनते ही पुलिसकर्मी तत्काल मौके की ओर पहुंचे और निरीक्षण किया। वहां उन्होंने देखा कि दो व्यक्ति एक वाहन की एमआरएफ कंपनी की स्टेपनी में रंगीन गमछा बांधकर उसे बाउंड्री वाल के ऊपर से बाहर फेंकने का प्रयास कर रहे हैं। एक आरोपी यार्ड के अंदर मौजूद था, जबकि दूसरा बाउंड्री वाल के पास खड़ा होकर चोरी में उसकी मदद कर रहा था।संदिग्ध गतिविधि देखते ही पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपनी पहचान लक्ष्मन पुत्र बाबू और महेंद्र पुत्र तोती के रूप में बताई। दोनों आरोपी गांधी ग्राम क्षेत्र के निवासी हैं और पीजीआई थाना क्षेत्र में रहते हैं।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

दहेज उत्पीड़न से जुड़ी आत्महत्या प्रकरण में पति गिरफ्तार, ससुर और सास की तलाश जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और आत्महत्या से जुड़े एक मामले में पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार मृतका के परिजनों की शिकायत पर पति, ससुर और सास के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना तथा अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।पुलिस के मुताबिक 11 जून 2026 को जौनपुर जनपद के महुआरी गांव निवासी सूरज लाल यादव ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी पुत्री को उसके ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि पति तथा अन्य ससुरालीजन उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करते थे तथा आए दिन उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। लगातार हो रहे उत्पीड़न से परेशान होकर उनकी पुत्री ने आत्महत्या कर ली।पीड़ित पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में पति अजय कुमार यादव, ससुर अमरजीत यादव तथा सास शीला देवी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।घटना के अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी क्रम में 12 जून को पुलिस टीम प्लासियो मॉल तिराहा और अहिमामऊ क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में भ्रमण कर रही थी। तभी मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने अहिमामऊ चौराहे के पास से आरोपी अजय कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजय कुमार यादव पुत्र अमरजीत यादव निवासी ग्राम पाली, पोस्ट गोठांव, थाना बरसठी, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई गई है और वह पेशे से इलेक्ट्रिशियन है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका विवाह वर्ष 2021 में प्रियंका यादव के साथ हुआ था। उसके अनुसार विवाह के बाद से ही पति-पत्नी के बीच संबंध सामान्य नहीं थे और अक्सर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। आरोपी ने बताया कि 10 जून 2026 को उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद वह भयभीत हो गया था और कहीं दूर जाने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

नगर आयुक्त गौरव कुमार का जोन-3 में निरीक्षण, विकास परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम द्वारा संचालित विकास परियोजनाओं और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-3 क्षेत्र में विभिन्न निर्माणाधीन एवं प्रगतिशील कार्यों का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित अवधि में उन्हें पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता सिविल महेश वर्मा, जोनल

अधिकारी जोन-3 मनोज यादव, अधिशासी अभियंता अतुल मिश्रा, नज़मी मुजफ्फर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।नगर आयुक्त ने अपने निरीक्षण की शुरुआत पटेल नगर पार्क स्थित निर्माणाधीन कल्याण मंडप से की। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि कल्याण मंडप सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा, इसलिए इसके निर्माण में तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।इसके बाद नगर आयुक्त ने मुख्यमंत्री ग्रिड परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत जोन-3 में संचालित कार्यों का निरीक्षण किया। कपूरथला चौराहे से अलकापुरी तिराहे मंदिर मार्ग तक चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने मुख्य अभियंता सिविल को निर्देश दिए कि सभी कार्य आगामी 15 दिनों के भीतर पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क, जल निकासी, फुटपाथ और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी और नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं प्राप्त होंगी।निरीक्षण के अगले चरण में नगर आयुक्त पुरनिया अलीगंज रोड से कुर्सी रोड होते हुए जनगणना निदेशालय तक विकसित की जा रही मुख्यमंत्री ग्रिड परियोजना के कार्यस्थल पहुंचे। यहां उन्होंने परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में आ रही बाधाओं और चुनौतियों की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सभी अवरोधों का तत्काल समाधान कर परियोजना को 30 जून तक हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से परियोजनाओं का क्रियान्वयन ही सुशासन और प्रभावी नगर प्रबंधन की पहचान है।विंध्याचल क्रॉसिंग से बाटी चोखा रेस्टोरेंट और पप्पू स्टोर ताड़ीखाना क्षेत्र तक चल रहे कार्यों का निरीक्षण करते समय नगर आयुक्त ने सीवर व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं पर विशेष चिंता व्यक्त की। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से स्थिति की जानकारी प्राप्त की और जलकल विभाग के महाप्रबंधक को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर सीवर संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में चल रही परियोजना को भी 30 जून तक पूरा किया जाए ताकि स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।अपने दौरे के अंतिम चरण में नगर आयुक्त फैजुल्लागंज स्थित शिव नगर कॉलोनी पहुंचे।

सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी भी टीएमसी छोड़ कर कांग्रेस में जा रही हैं?

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे उथल पुथल भरे दौर से गुजर रही है। कभी बंगाल की निर्विवाद ताकत मानी जाने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी बगावत, सांसदों और विधायकों के पलायन तथा राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ ममता बनर्जी और राहुल गांधी के साथ अभिषेक बनर्जी की बैठकों ने इस संकट को और अधिक राजनीतिक रंग दे दिया है। भले ही कांग्रेस और तृणमूल दोनों सार्वजनिक रूप से किसी विलय की संभावना से इंकार कर रहे हों, लेकिन घटनाक्रम यह संकेत दे रहा है कि बंगाल की राजनीति में एक बड़ा पुनर्संयोजन शुरू हो चुका है। एक तरह से यह साफ नजर आ रहा है कि सिर्फ टीएमसी के सांसद, विधायक और पार्षद ही पाला नहीं बदल रहे हैं खुद टीएमसी प्रमुख अपनी पार्टी को खत्म कर कांग्रेस में वापस लौटना चाह रही हैं।

हम आपको बता दें कि दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की डेढ़ घंटे लंबी मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने इन बैठकों को लोकतंत्र और संविधान बचाने की साझा प्रतिबद्धता बताया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह महज औपचारिक बातचीत नहीं थी। बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह तृणमूल कांग्रेस कमजोर हुई है और पार्टी के भीतर टूट की स्थिति बनी है, उसके बाद कांग्रेस से नजदीकी बनाना ममता बनर्जी की राजनीतिक मजबूरी बन गई है।

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। रितब्रत बनर्जी लगातार दावा कर रहे हैं कि वही "असली तृणमूल कांग्रेस" हैं और कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के विलय या समझौते के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि उनके साथ विधायकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई सांसद भी उनके संपर्क में हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के साथ संभावित विलय या अत्यधिक नजदीकी की अटकलों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर असुरक्षा और बेचैनी को और बढ़ा दिया है। पार्टी के कई विधायक, सांसद और क्षेत्रीय नेता अपनी पूरी राजनीतिक पहचान कांग्रेस विरोध की जमीन पर बनाकर आगे बढ़े थे। ऐसे में उन्हें यह डर सता रहा है कि यदि ममता बनर्जी अंततः कांग्रेस के साथ विलय या व्यापक राजनीतिक समझौते की राह पर चलती हैं, तो उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि तृणमूल में भगदड़ और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो कांग्रेस में लौटने के पक्ष में नहीं है और वह या तो अलग गुट के साथ रहना चाहता है या फिर नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहा है। यही बेचैनी अब खुले विद्रोह और लगातार इस्तीफों के रूप में सामने आती दिखाई दे रही है।

संकट केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। संसद में भी तृणमूल कांग्रेस की नींव हिलती दिख रही है। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने पार्टी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। सुष्मिता देव की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात ने यह अटकलें और तेज कर दी हैं कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब भारतीय जनता पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं। लोकसभा में भी तृणमूल के भीतर विद्रोही खेमे की ताकत बढ़ती दिखाई दे रही है। काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे बीस से अधिक सांसदों का समर्थन हासिल है। सयोनी घोष, माला राय, युसुफ पठान, शताब्दी राय, शत्रुघ्न सिन्हा और रचना बनर्जी जैसे कई चर्चित नाम विद्रोही खेमे के साथ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुका है।

इन घटनाओं के बीच कांग्रेस की भूमिका बेहद दिलचस्प हो गई है। बंगाल कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अधीर रंजन चौधरी और अब्दुल मन्नान जैसे वरिष्ठ नेता ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह की नजदीकी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। मन्नान ने तो यहां तक कह दिया कि "गंदे पानी को साफ पानी में मिलाने से साफ पानी भी गंदा हो जाता है।" अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर कांग्रेस को बंगाल से खत्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वही ममता गांधी परिवार के सहारे की तलाश में हैं।

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिवप्रकाश

> सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है। 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे। यह उत्साही ,अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है ।

देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता । राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था। जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है।

आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता। 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी। तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल , ब्रह्मोस ,बैलिस्टिक मिसाइल , एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस - 400 विमानों से हम युक्त हैं। आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं। 15 अगस्त 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती। इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे। 72000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी।

सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था। केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था। मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं। सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु नो मनी फॉर टेरर जैसे कड़े कदम , एफएटीएफ के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया। 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है । इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं। 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे । 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए। 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया 7 अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है।

घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं । भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए डिटेक्ट , डिलीट , डिपोर्ट नीति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की है। सीमा की निगरानी को सख्त किया है। बंगाल भाजपा विजय के पश्चात बांग्लादेशी घुसपैठियों की बांग्लादेश की ओर वापसी की लाइन हम देख रहे हैं। 15,106 किलोमीटर सीमा सोती रेखा से जागती दीवार लक्ष्य में लेज़र वॉल, वाइब्रेशन सेंसर, नाइट विज़न कैमरा का उपयोग हो रहा है। सीमा सुरक्षा के लिए 49 त्न बजट वृद्धि कर 5597 करोड़ निर्धारित किया गया है। अदृश्य युद्ध के माध्यम से भारत की साइबर सुरक्षा को चुनौती देने का कार्य भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भारत ने लगभग 54 लाख साइबर शिकायतों एवं 31594 करोड़ रुपयों के ठगी के प्रयासों का सामना करने में भारत सफल रहा। भारत सरकार ने 2024 में साइबर कमांडो व्यवस्था निर्माण का साइबर सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है। डीसीवाईए (डिफेंस साइबर एजेंसी) एवं आई4सी के माध्यम से समन्वय कर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयास हो रहा है । देश को नशामुक्त बनाने हेतु व आतंकवाद जैसी समस्याओं के आय के प्रमुख स्त्रोत ड्रग्स के गैर कानूनी व्यापार पर करारा प्रहार करते हुए लगातार उनको जब्त किया जा रहा है। 2024 में ही 25,330 करोड़ रुपये के ड्रग्स की जब्ती इस बात का पुख्ता प्रमाण है।

सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान सीमावर्ती गाँव में बसे ग्रामीणों का रहता है। उनके मन में अपने प्रति उपेक्षा भाव न रहे इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 में कहा, ये अंतिम गाँव नहीं, भारत माँ के प्रथम गाँव है। वीवीपी (वाइब्रेंट विलेजेज़ प्रोग्राम) फेज 1 -2 के अंतर्गत 4121 गाँवों के विकास के लिए लगभग 11639 करोड़ का बजट निर्धारित किया है जिसके द्वारा मौसम अनुकूल सड़क (ऑल-वेदर रोड), सौर उर्जा, मोबाइल कनेक्टिविटी, शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यटन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है। 2023 में लालकिला के मैदान में 600 सीमावर्ती गाँवों के सरपंचों की सहभागिता ने सीमा एवं दिल्ली का संगम कर दिया है। अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था । इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं । आईपीसी, सीआरपीसी की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई है। राजपथ अब कर्तव्यपथ, 7 रेस कोर्स रोड-7 लोक कल्याण मार्ग , प्रधानमंत्री कार्यालय - सेवा तीर्थ एवं राजभवन - लोकभवन हो गए हैं । सीडीएस की नियुक्ति ने तीनों सेनाओं में समन्वय किया है । नेवी का प्रतीक चिन्ह अब ब्रिटिश दासता का स्मरण नहीं छत्रपति शिवाजी का स्मरण कराता, तिरंगे में अष्टकोणीय चिन्ह के साथ शिवाजी की राजमुद्रा से अंकित एवं वेद मंत्र शं नो वरुणः एवं अशोक स्तम्भ का स्मरण कराता है।

टिप्पणी

धनी तबकों पर ले जाए

प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की करनी से पैदा हुई समस्या का मुकाबला करने की सारी जिम्मेदारी नागरिकों पर डालने का प्रयास किया है। मगर उससे हालात नहीं सुधरेंगे। बेहतर होगा वे अपना धनी तबकों पर ले जाएं।

आर्थिक संकट के बारे में प्रधानमंत्री के भाषणों से देश में फैले भय के बीच अब केंद्र ने सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं के आयात पर शुल्क बढ़ा कर 15 (10 प्रतिशत कस्टम+ 5 फीसदी कृषि एवं विकास उपकर) कर दिया है। गौरतलब है कि सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार में सेंध लगने का बड़ा कारण बना रहा है। मगर कारणों की पड़ताल करें, तो आयात बढ़ने की सीधी जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी सरकार पर जाएगी।

केंद्र ने मई 2022 में यूएई के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर अमल शुरू किया, जिसके तहत वहां से टैरिफ रेट कोटा सिस्टम के तहत स्वर्ण आयात पर शुल्क सामान्य छह प्रतिशत से एक प्रतिशत कम (यानी पांच प्रतिशत) कर दिया गया। इसके पहले (2022 में) भारत के कुल स्वर्ण आयात में यूएई का हिस्सा 7.9 प्रतिशत (2.9 बिलियन डॉलर) था, जो पिछले साल 28 प्रतिशत (16.5 बिलियन डॉलर) हो गया। इस बीच पिछले साल सोने के भाव में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई। इससे सोना आम मध्य वर्ग की पहुंच से बाहर हो गया। जबकि अति धनी लोग खरीदारी करते रहे, जिससे डॉलर बाहर गया। प्रधानमंत्री ने मध्य वर्ग से विदेश जाने से बचने का आह्वान भी किया है। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विदेश जाने वाले भारतीयों की संख्या में पिछले दो साल में गिरावट आई है।

फिर भी डॉलर बाहर जाने में बढ़ोतरी हुई, तो उसका कारण अति धनी व्यक्तियों का विदेश में चल और अचल संपत्ति में निवेश है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक 26.4 बिलियन डॉलर का निवेश इन लोगों ने विदेश में किया। ऐसा इसलिए संभव हुआ, क्योंकि मोदी सरकार ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम, टैक्स राहत, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस आदि के नाम पर विदेशी कर्मियों के लिए खुद इसका मार्ग प्रशस्त किया। ये मुद्दे इसलिए उठे हैं, क्योंकि नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की करनी से पैदा हुई समस्या का मुकाबला करने की सारी जिम्मेदारी नागरिकों पर डालने का प्रयास किया है। मगर उससे हालात नहीं सुधरेंगे। बेहतर होगा सरकार संकट-कालीन प्रशासनिक उपाय करे और अपना ध्यान मध्य वर्ग के बजाय धनी तबकों पर ले जाए।

ब्लॉग

वेनेजुएला के बाद क्या क्यूबा की बारी है

अमेरिका की आँखों में मिर्ची सा लगता है, हवाना के सिगार का धुआँ

डॉ. सुधीर सक्सेना

अमेरिका की आँखों में मिर्ची सा लगता है,
हवाना के सिगार का धुआँ
(लंबी कविता बीसवीं सदी इक्कीसवीं सदी से)

यह आज की बात नहीं है, बल्कि बीती कई दहाइयों से अमेरिका के लिये बुकनी सा कष्टप्रद यह सिलसिला जारी है। दरअसल यह तकलीफदेह क्रम सन 1959 में फिदेल कास्त्रो के कू-दे-ता के जरिये सत्ता में आने के ऐन दिन से शुरू हो गया था। फिदेल को अपदस्थ करने अथवा मारने की सीआईए की सारी कोशिशें विफल रहीं। अमेरिका उनकी मुश्कें नहीं कस सका। उलटे फिदेल वैश्विक नेता के तौर पर उभरते गये और उन्होंने दुनिया भर के मुक्तिकामी जनों को आकर्षित किया। श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत और क्यूबा के संबंधों को नयी ऊंचाई और सान्द्रता मिली। शीतयुद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद क्यूबा को मुसीबतों से दो-चार होना पड़ा। रही सही कसर अमेरिका की आर्थिक पाबंदियों ने पूरी कर दी। जारी वर्ष के प्रारंभ में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के निर्लज्ज अपहरण से अनेक छोटे और निर्बल राष्ट्र सकते में आ गये। यूं तो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के अभीष्ट की पूर्ति के लिये ही अमेरिका ने इस्रायल के सहयोग से 28 फरवरी को ईरान पर धावा बोला था और उसे अली खामेनेई समेत अनेक बड़े ईरानी नेताओं को मारने में कामयाबी भी मिली, अलबत्ता उसकी मंशा पूरी नहीं हुई। अब यह सवाल सारी दुनिया में खतरे की घंटी की मानिंद घनघना रहा है कि क्या वेनेजुएला और ईरान के बाद अब बारी क्यूबा की है? इस प्रश्न का उत्तर तलाशना कठिन इसलिये नहीं है क्योंकि जिद्दी और अड़ियल डोनाल्ड ट्रंप अपनी खब्त में कुछ भी कर सकते हैं। दूसरे सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ के 14 मई को हवाना की यात्रा और खुलेआम अंतिमेत्थम ने अमेरिका-क्यूबा के कसैले संबंधों मंह इजाफा कर एक करोड़ से कुछ अधिक क्यूबावासियों की रगों में सिहरन पैदा कर दी है।

आज नहीं, अर्से से क्यूबा के नसीब में चैन नहीं है और अमेरिकी धौंस, दबंगई और दादागिरी से उसकी मुसीबतों की गठरी भारी होती जा रही है। राजधानी हवाना समेत पूरा क्यूबा अंधेरे में डूबा हुआ है। क्यूबा अभूतपूर्व ऊर्जा संकट से गुजर रहा है। डीजल और पेट्रोल का भंडार खत्म हो गया है। उसका अपना तेलशोधक संयंत्र फरवरी में आग की भेंट चढ़ गया। तेल की आपूर्ति के लिये उसका मुख्य आलंबन वेनेजुएला था, मगर अब वेनेजुएला अमेरिका का बंधक राष्ट्र

है। ऊर्जा संकट का असर, शिक्षा, आहार, चिकित्सा आदि की प्रणालियों पर भी पड़ रहा है। हालत यह है कि राजधानी हवाना में नागरिकों को बाईस-बाईस घंटे ब्लैक आउट का सामना करना पड़ रहा है स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प हैं और लोगों को खाना पकाने के लाले पड़ गये हैं। फलतः असंतोष गहरा रहा है और मुसीबतज़दा लोग सड़कों पर उतर रहे हैं।

क्यूबा के इतिहास पर दृष्टिपात करें तो बीते करीब पांच शतियों में उसके संघर्ष की तस्वीर उभरती है। 20 अक्टूबर, सन 1492 को कोलंबस की खोज के बाद यह कैरेबियन-द्वीप समूह स्पेन का उपनिवेश रहा। सन 1868 में इसने स्वतंत्रता की घोषणा की और सन 1895 में आजादी की लड़ाई छेड़ी। सन 1898 में उसे मान्यता तो मिली, लेकिन वह अमेरिका के चंगुल में फँस गया। इसका अंत अंततः मई, 1902 में हुआ, जब वह गणतंत्र बना। लेकिन यह सौभाग्य भी अधिक दिन टिका नहीं। सन 1933 में कूदेता से बातिस्ता सत्ता में आये और करीब पाव सदी क्यूबा ने उनकी तानाशाही झेली। इससे उसे आखिरकार सन 1959 में फिदेल कास्त्रों ने मुक्ति दिलाई। फिदेल अपनी पॉलिसी से अमेरिका की आँखों की सबसे करीं किरकिरी बनकर उभरे। अमेरिका ने उन्हें हटाने और निपटाने के लाख जतन किये, लेकिन उसकी दाल नहीं गली। फिदेल दशक-दर-दशक उसकी छाती पर मूंग दलते रहे। उन्होंने महाबली अमेरिका की नाक तले कम्युनिस्ट रिजीम खड़ी कर दी। सन 1962 का मिसाइल प्रसंग दुनिया भूली नहीं है। यह शीत युद्ध का चरम प्रसंग था। बहरहाल, कास्त्रों ने शिक्षा, चिकित्सा और आवास पर खूब ध्यान दिया। मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सस्ते मकानों से उन्होंने क्यूबा का हुलिया बदल दिया। उन्होंने अफ्रीकी देशों व अन्यत्र डॉक्टरों की टोलियां भेजीं और दुनिया में अमेरिकी शिकंजे को तोड़ने का भरसक प्रयास किया। फलतः विश्व में मुक्ति कामी का जनता का यह लाड़ला नायक अमेरिका के लिये मोस्ट वांटेड और खलनायक हो गया। उसके कृत्यों में सोवियत संघ उसका सरपरस्त और सहयोगी रहा। आज भी रूस और चीन उसके सहयोगी राष्ट्र हैं। रूस ने इसी साल 30 मार्च को एक लाख टन कच्चा तेल भेजा और चीन ने 80 मिलियन डॉलर की मदद और 60 हजार टन चांवल देने का ऐलान किया। इसी क्रम में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने आठ मिलियन और फिर साढ़े पांच मिलियन डॉलर की मदद की घोषणा की।

क्यूबा के खिलाफ वाशिंगटन के दबाव के चलते लातिनी अमेरिकी देशों में क्यूबा से कन्नी काटने का दायरा बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको की क्लाडिया शीनबाम क्यूबा समर्थक हैं, लेकिन फरवरी में तेल से लदे दो पोत भेजन के पश्चात उन्होंने ट्रंप की नाराजगी के भय से क्यूबा को मदद से हाथ खींच लिये हैं। अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई अमेरिका के समर्थन में हैं, तो ब्राजील के लूला डिसिल्वा असमंजस में। चीले के गैब्रियल बोरिस ने क्यूबा पर पाबंदी को आपराधिक करार दिया था, लेकिन नये राष्ट्राध्यक्ष जोस अंतोनिया ने दो टूक कह दिया है कि क्यूबा को मदद से वहां तानाशाही के पाये मजबूत होंगे। अमेरिकी दबाव का असर अन्यत्र भी हो रहा है। निकारागुआ ने क्यूबनों के लिए वीजा फ्री एंट्री बंद कर दी है, तो ग्वाटेमाला ने क्यूबा की मेडिकल ब्रिगेडों की चरणबद्ध वापसी का कदम उठाया है। इसी क्रम में इक्वेडोर ने क्यूबा के राजदूत वसीलो गुटीरेज को देश निकाला दे दिया है। ट्रिनिडाड-टोबैगो की कमला प्रसाद बिसेसर ने मानवीय सहायता की बात करते हुये पुछल्ला जोड़ दिया है कि वह तानाशाही का समर्थन नहीं कर सकतीं। योरोपीय राष्ट्र पुर्तगाल ने तो दो कदम आगे बढ़कर क्यूबा में टूरिस्ट-ऑपरेशंस बंद कर दिये हैं।

किस्सा कोताह यह है कि क्यूबा की मुसीबतों का अंत नहीं है। कास्त्रो-काल के वैश्विक समीकरण बदल चुके हैं। अमेरिका और क्यूबा के दरम्यां अतीत त्रिभंगी मुद्रा में खड़ा है। अमेरिका निकारागुआ और बोलीविया में विद्रोह को समर्थन और कांगो, इथियोपिया, अंगोला, , मोजंबीक, गीनिया बिसाऊ, यमन, अल्जीरिया, इराक और सीरिया के मामलों में क्यूबा के दखल को भूला नहीं है। उसे सन 1959 का पनामा-प्रसंग भी याद है, जब क्यूबा ने तख्ता पलट के प्रयासों में मुंह की खाई थी। दिलचस्प बात है कि क्यूबा ने तख्ता पलट में मुंह की खाने के बाद भी अमेरिका को मुंह बिराना नहीं छोड़ा।

ये ही वे प्रसंग हैं, जिन्होंने आज नव उपनिवेशवादी अमेरिका की भृकुटि में बल डाल रखे हैं। व्हाइट हाउस आज हवाना से पुराना हिसाब चुकता करने के मूड में है। वह गड़े मुर्दे उखाड़ते हुये सन 1996 के चार विमानों के शूट आउट प्रसंग में तत्कालीन रक्षा मंत्री रऊल कास्त्रो पर अभियोजन के पक्ष में है। रऊल अब 94 वर्ष के हो चुके हैं, लेकिन अमेरिका उनके खिलाफ मुकदमे पर अड़ा हुआ है। क्यूबा भी अमेरिका की मंशा को भाँप रहा है, लिहाजा उसने अपना लहजा नरम कर दिया है। राष्ट्रपति मिगुएल डाएज कैनेल अमेरिकी कार्रवाई को समाज को व्यथित और बंधक बनाने तथा तख्तापलट की कोशिश मानते हुए जीनोसाइड करार देते हैं, लेकिन अब वह निःशर्त बातचीत के लिए तत्पर दीखते हैं। इसी मार्च में उन्होंने 51 राजनीतिक कैदियों की रिहाई भी की है। उधर रैटक्लिफ ने आर्थिक व सुरक्षा के मुद्दों पर ट्रंप की नीति से हवाना को अवगत कर दिया है। क्यूबन-अमेरिकी मूल के मार्को रूबियो ने कहा है कि क्यूबा ने 100 मिलियन डॉलर की अमेरिका की मानवीय सहायता ठुकरा दी है, तो क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगज परीला ने कहा कि अमेरिका ने ऐसी किसी मदद की पेशकश ही नहीं की।

क्यूबा में अमेरिका की नीयत का पता कतिपय सीनेटरों के बयानों से लगता है। सीनेटर रिक स्कॉट कहते हैं कि क्यूबा में लोकतंत्र की वेला आ गई है, तो लिंडसे ग्राहम कहते हैं कि क्यूबा में वर्तमान सत्ता के दिन इनेगिने हैं। जॉन थूने आक्रमण की पैरवी तो नहीं करते, किंतु सरकार गिरी तो खुश होगी कहकर मंशा दर्शा देते हैं। क्यूबन-अमेरिकी मूल के टेड क्रूज ने तो फरवरी में ही कह दिया था कि आगामी छमाही में वेनेजुएला, ईरान और क्यूबा में सत्ता परिवर्तन होगा। क्यूबा के अर्नेस्टो सोबेरान गजमान और लिआनिस टोर्रेस रिवेरा जैसे राजनयिक भले ही मु_यिां बांधकर संघर्ष का दम भरें, लेकिन सब जानते हैं कि अमेरिका से रण में मुकाबला कठिन होगा। यूएनओ के महासचिव गुटरेज नाकेबंदी की निंदा करते हुए भी स्वयं को असहाय पाते हैं। अमेरिका रऊल कास्त्रो के पौत्र रऊल गुलिर्मो रोडिग्रेज कास्त्रो पर दांव लगा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप क्यूबा के मैत्रीपूर्ण अधिग्रहण की बात करते हैं तो साफ हो जाता है कि देगची में क्या पक रहा है? बेलोरूस, ईरान, वियेतनाम और अफ्रीक यूनियन भले ही क्यूबा के साथ हो, लेकिन ट्रप का विश्व-जनमत से प्रभावित होना मुमकिन नहीं दीखता। बहुत संभव है कि ईरान का मोर्चा ठंडा पड़ते ही वह वेनेजुएला की तर्ज पर क्यूबा का टेंटुआ दबोच लें।

कोर्ट की तारीख से एक रात पहले कत्ल, सिर-चेहरे पर वार और आंखें भी फोड़ीं, पशुपालक की जमीन पर थी कई निगाहें

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। फतेहपुर जिले में जाफरगंज थाना क्षेत्र के अंगदपुर गांव में पशुपालक तक्कीलाल की कब्जे की भूमि को लेकर पुलिस जांच में कई लोगों पर संदेह गहराता जा रहा है। तक्कीलाल निसंतान थे। ऐसे में उनकी कीमती जमीन को लेकर नामजद आरोपियों के अलावा भी किसी अन्य की भूमिका की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों में चर्चा है कि यदि वारदात आरोपी पक्ष ने ही की होती तो वे सुबह तक गांव में मौजूद नहीं रहते।

परिजन के अनुसार तक्कीलाल और उनके चचेरे भाई रामखेलावन के बीच वर्ष 2017 से भूमि विवाद न्यायालय में चल रहा था। बताया जाता है कि करीब 40 वर्ष पहले तत्कालीन प्रधान उदयपाल सिंह उर्फ फुद्दी सिंह ने तक्कीलाल के कब्जे वाली बंजर भूमि का पट्टा रामखेलावन के पिता सुखनंदन के नाम किया था। सुखनंदन के जीवनकाल में दोनों पक्षों में कोई विवाद नहीं था और आपसी समझौते से इस्तेमाल होता रहा।

2015 के बाद कब्जे को लेकर विवाद गहराया

इसके बाद में तक्कीलाल भूमि पर काबिज रहे जबकि उनके पूर्वजों के खलिहान पर आरोपी पक्ष का कब्जा बताया जाता है। विवाद वर्ष 2015 के बाद कब्जे को लेकर गहरा गया। ग्रामीणों के अनुसार यह भूमि सड़क किनारे स्थित होने से अब अत्यंत कीमती हो चुकी है। जोनिहा-अमौली मार्ग से जुड़े लिंक रोड के कारण यह क्षेत्र खजुहा ब्लॉक से भी जुड़ता है। इससे भूमि की कीमत कई गुना बढ़ गई है।

भतीजी के नाम करना चाहती थीं संपत्ति

तक्कीलाल की पत्नी गुलाबी देवी की कोई संतान नहीं है और वह अपनी भतीजी को सात वर्षों से अपने पास रखती हैं। चर्चा है कि वह संपत्ति भतीजी के नाम करना चाहती थीं। तक्कीलाल अपने जीवनकाल में इसे किसी को देने के पक्ष में नहीं थे और भतीजों के नाम करने की इच्छा रखते थे। भूमि विवाद को लेकर मामला लंबे समय से अदालत, पुलिस, राजस्व और गांव की चौपाल तक पहुंच चुका था। कई बार दोनों पक्षों के बीच मारपीट और तनाव की स्थिति भी बन चुकी थी।

छह महीने पहले गिरा दी थी कोठरी

परिजन का कहना है कि विवादित जमीन को लेकर आरोपी पक्ष पहले भी दबाव बनाता रहा है। करीब छह माह पहले पशुबाड़े के पास बनी तक्कीलाल की कोठरी भी गिरा दी गई थी। इसके बाद से विवाद और बढ़ गया था। परिजन आरोप लगाते हैं कि जमीन पर कब्जे के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।

देर रात गांव में दिखे दो बाइक सवार

हत्या के बाद ग्रामीणों में कई तरह की चर्चाएं हैं। लोगों के अनुसार बुधवार रात लगभग 12 से एक बजे के बीच दो युवक बाइक से मांझेपुर की ओर से अंगदपुर की तरफ जाते देखे गए थे। करीब दो बजे वही बाइक सवार जोनिहा की ओर लौटते नजर आए। सवाल यह है कि ये बाइक सवार कौन थे। सबसे बड़ी बात यह रही कि घटना के दौरान आसपास के लोग सोते रहे और हत्या को अंजाम देकर आरोपी भाग गए।

पहले भतीजा हुआ दिव्यांग, अब चाचा की गई जान

भतीजे समरलाल ने बताया कि विवादित भूमि मामले में पहले वह वादी था। उसका आरोप है कि वर्ष 2021 में बरवा ग्रामीण बैंक से लौटते समय खूंटाझाल के पास उसकी हत्या की साजिश के तहत दुर्घटना कराई गई। इसमें वह गंभीर रूप से घायल होकर दिव्यांग हो गया। इसके बाद मुकदमे की पैरवी उसके चाचा तक्कीलाल सोनकर ने संभाली। आरोप है कि उसी विवाद में अब चाचा की भी हत्या कर दी गई।

ये है पूरा मामला

जाफरगंज थाना क्षेत्र के अंगदपुर गांव में बुधवार रात भूमि विवाद के चलते सोते समय वृद्ध पशुपालक की मुकदमे की तारीख की पूर्व संध्या पर धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। इससे सिर, चेहरे समेत अन्य अंगों पर 10 से अधिक गंभीर चोटें आई हैं। वहीं आंखें भी फूट गई हैं। पत्नी का आरोप है कि घटना की शाम दूसरे पक्ष ने तारीख में जाने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

चचेरे तीन भाइयों समेत छह के खिलाफ प्राथमिकी

पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने तीन चचेरे भाइयों समेत छह लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन ने शव उठाने से पुलिस को करीब 20 मिनट तक रोके रखा। गांव निवासी तक्कीलाल सोनकर (65) कृषि कार्य के साथ पशुपालन करते थे। उनका चचेरे भाई रामखेलावन से वर्ष 2017 से रोड किनारे की 18 बिसबा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है।

पशुबाड़े में सोने गए थे

विवाद दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है। मुकदमे में बृहस्पतिवार को बहस की तारीख निर्धारित थी। तक्कीलाल रोज की तरह बुधवार रात घर से लगभग 100 मीटर दूर स्थित विवादित भूमि पर बने पशुबाड़े में सोने गए थे। उनकी कोई संतान नहीं है। इसी स्थान से सटा रामखेलावन का भी पशुबाड़ा है। घटनास्थल से लगभग 10 मीटर दूरी पर बरातशाला में तक्कीलाल के बड़े भाई प्रहलाद सो रहे थे।

> पट्टीदारों के बीच सिविल न्यायालय में वाद विचाराधीन है। इसी विवाद को लेकर हत्या का आरोप लगाया गया है। तहरीर के आधार पर छह नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई है।
>
> **-अभिमन्यु मांगलिक, एसपी**

सिर, चेहरे पर 10 से अधिक गंभीर चोटें

रात में ही सोते समय तक्कीलाल की हत्या कर दी गई। सुबह बरातशाला से पहुंचे प्रहलाद ने घटना की जानकारी दी। शोर सुनकर तक्कीलाल की पत्नी गुलाबी देवी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि रात करीब 10 बजे भोजन के बाद पति सोने गए थे। गुलाबी देवी के आरोपों के दौरान रामखेलावन पक्ष के लोग गांव में मौजूद थे। हालांकि हंगामा बढ़ने पर वे मौके से भाग गए। पुलिस को तक्कीलाल के सिर, गले और चेहरे पर 10 से अधिक गंभीर चोटों के निशान पाए गए।

भूमि विवाद में हत्या का आरोप लगाया

दोनों आंखें भी फूटी थीं। गले पर धारदार हथियार से वार जैसा गहरा कट पाया गया। सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें थीं। सीओ बृजमोहन राय, प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार शुक्ला व फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पत्नी गुलाबी देवी ने तहरीर में पति के चचेरे भाई रामखेलावन, बरमबली, शिवमोहन, रामखेलावन के पुत्र अंकित, बरमबली के पुत्र धीरेंद्र और रामखेलावन की पत्नी रानी देवी पर भूमि विवाद में हत्या का आरोप लगाया है।

दिव्यांग दंपत्तियों को शादी पर मिलेगा ₹35 हजार तक का प्रोत्साहन पुरस्कार

सुलतानपुर। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उत्तर प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना लागू की है। योजना के तहत युवक दिव्यांग होने पर ₹15 हजार, युवती दिव्यांग होने पर ₹20 हजार तथा दोनों दिव्यांग होने पर ₹35 हजार की सहायता दी जाएगी।

योजना का लाभ उन्हीं दंपत्तियों को मिलेगा जिनकी दिव्यांगता 40: या अधिक हो तथा विवाह वर्तमान या पिछले वित्तीय वर्ष में हुआ हो। आवेदन के लिए आयु सीमा, आयकरदाता न होने सहित अन्य शर्तें लागू रहेंगी। इच्छुक दंपत्ति ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की हार्डकॉपी आवश्यक दस्तावेजों सहित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय, विकास भवन, सुलतानपुर में जमा करनी होगी।

होमगार्ड की पिटाई, प्लाटून कमांडर की वर्दी के खींचे स्टार, युवक और माता-पिता ने इसलिए बोला हमला

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। वृंदावन के गौरी गोपाल आश्रम के समीप ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड एवं प्लाटून कमांडर के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। मोबाइल चोरी के आरोप में पकड़े गए एक युवक, उसके पिता और तीन महिलाओं ने ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मियों पर हमला कर उनकी वर्दी पर लगे स्टार खींच लिए। हमले में पुलिसकर्मियों को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित होमगार्ड की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार की शाम परिक्रमा मार्ग स्थित गौरी गोपाल आश्रम पर होमगार्ड सूरजमल ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान आश्रम के सुरक्षा गार्ड अशोक ने सूरजमल को एक लड़के को सौंपते हुए बताया कि यह मोबाइल चोर है। जब होमगार्ड सूरजमल ने उस युवक से पूछताछ करने का प्रयास किया तो युवक सिद्धार्थ भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए हाथापाई पर उतारू हो गया। हंगामा होते देख वहां से गुजर रहे चेकिंग अधिकारी प्लाटून कमांडर गोपाल प्रसाद मौके पर रुके और पूछताछ करने लगे। आरोपी युवक और उसके साथ मौजूद लोग आक्रामक हो गए। आरोप है सिद्धार्थ, उसके पिता अतुल और उनके साथ मौजूद तीन अन्य महिलाओं ने दोनों ऑन ड्यूटी पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। आरोपियों ने वर्दी में मौजूद प्लाटून कमांडर गोपाल प्रसाद के कंधे से उनके स्टार खींच लिए। आरोप है कि गोपाल प्रसाद के बाएं हाथ के अंगूठे को दांतों से बुरी तरह काट लिया। हमले में दोनों को काफी चोटें आई हैं। होमगार्ड सूरजमल द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार घटना का वीडियो साक्ष्य भी मौजूद है।

नाले की बदहाली बनी व्यापारियों के लिये मुसीबत, व्यापार मंच ने उठायी आवाज

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। कॉउन्सिल ऑफ उद्योग व्यापार मंच के जिलाध्यक्ष कुलदीप गुप्ता के नेतृत्व में नगर के दरियापुर क्षेत्र के व्यापारियों ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लालचंद सरोज को ज्ञापन दिया।

जिसमें दरियापुर चौराहे के पास स्थित नाले का पानी और मलबा व्यापारियों की दुकानों एवं घरों में भर रहा है इस प्रकरण को मंच के जिलाध्यक्ष कुलदीप गुप्ता ने अधिशासी अधिकारी को अवगत कराते हुए कहा की दरियापुर स्थित नाले का कुछ भाग बहुत ही सकरा और क्षतिग्रस्त है जिससे थोड़ी भी बरसात होने पर आसपास की दुकानों एवं घरों में पानी घुस जाता है और लाखों का नुकसान उठाना पड़ रहा है इसको अति शीघ्र स्थाई रूप से दुरुस्त करते हुए पानी की निकासी सुनिश्चित की जाय। क्षेत्र के व्यापारी और जनमानस में कहा कि कई बार सूचित करने पर भी

कोई स्थाई निराकरण पालिका द्वारा नहीं किया गया। अधिशासी अधिकारी लालचंद सरोज ने इस प्रकरण को तुरंत संज्ञान में लेते हुए अधिशासी अभियंता को निरीक्षण करने हेतु आदेशित किया। ज्ञापन देने में संतोष जायसवाल, अश्विनी वर्मा, सुधीर गुप्ता, देवा,सुनील श्रीवास्तव आदि क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

450 जरूरतमंदों तक पहुंचाया भोजन, सेवा का निभाया मानवीय धर्म

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले की अग्रणी सामाजिक संस्था राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा गुरुवार को आयोजित साप्ताहिक निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत 450 मरीजों, तीमारदारों, यात्रियों एवं जरूरतमंदों को स्वादिष्ट, गरम एवं ताजा भोजन वितरित किया गया।

संघ के अध्यक्ष मेराज अहमद खान के नेतृत्व में बृहस्पतिवार देर शाम स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में 315 मरीजों एवं उनकी देखभाल कर रहे अटेंडरों को निःशुल्क भोजन की थालियां वितरित की गईं। वहीं रेलवे स्टेशन परिसर में वरिष्ठ टिकट निरीक्षक अनिल कुमार ने यात्रियों एवं जरूरतमंदों को भोजन की थालियां प्रदान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संघ के मार्गदर्शक निजाम खान ने बताया कि

जनसहयोग एवं विभिन्न जनमाध्यमों के सहयोग से यह पुनीत कार्य प्रत्येक सप्ताह निरंतर संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में अनेक मरीज और तीमारदार ऐसे होते हैं जो बीमारी के साथ-साथ आर्थिक कठिनाइयों का भी सामना कर रहे होते हैं। ऐसे समय में एक थाली भोजन केवल उनकी भूख ही नहीं मिटाती, बल्कि उन्हें यह विश्वास भी दिलाती है कि समाज उनके साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि मौसम को ध्यान में रखते हुए भोजन का मेन्यू निर्धारित किया जाता है, जिसमें अरहर की दाल, मौसमी सब्जी, रोटी एवं चावल शामिल किए जाते हैं।

इस अवसर पर मेराज अहमद खान ने कहा कि जब कोई जरूरतमंद व्यक्ति सम्मानपूर्वक भोजन ग्रहण कर संतोष व्यक्त करता है, तो वही संस्था के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होता है। संस्था का प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे तथा समाज में सेवा, करुणा और भाईचारे की भावना लगातार मजबूत होती रहे। कार्यक्रम में सहयोग करने वालों में प्रमुख रूप से सुहेल सिद्दीकी, सरदार गुरप्रीत सिंह, राशिद खान, हाजी फैज उल्लाह अंसारी, गुलाम रब्बानी खान, सुल्तान महमूद, माता प्रसाद जायसवाल, बैजनाथ प्रजापति सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल विकलांग की इलाज के दौरान मौत

कुड़वार/सुल्तानपुर। घर से सब्जी मंडी साइकिल से सब्जी खरीदने जा रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। चिकित्सक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही कर शव परिजनो को सौप दिया। शुक्रवार को कुड़वार थाना क्षेत्र के रूपापुर गांव निवासी विकलांग राम धीरज(35) पुत्र स्व रघुराज साइकिल से अमहट मंडी सब्जी खरीदने जा रहा था। रास्ते में लखनऊ वाराणसी मार्ग पर बंधुआ कला थाना क्षेत्र के दादूपुर गांव के पास अज्ञात वाहन साइकिल सवार युवक को टक्कर मार कर फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान चिकित्सक ने मृत घोषित कर शव मर्चरी में रखवा दिया।

जीआरपी कर्मी से विवाद के बाद ट्रेन के सामने कूदकर दुकानदार ने दी जान, परिजन ने लगाया हत्या का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर खुर्जा जंक्शन पर बृहस्पतिवार रात एक दुकानदार ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजनों ने जंक्शन पर तैनात जीआरपी कर्मचारियों पर हत्या का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद से जीआरपी प्रभारी और अन्य कर्मचारी मौके से फरार बताए जा रहे हैं। मृतक की पहचान 30 वर्षीय अमर के रूप में हुई है, जो मूलरूप से कानपुर का रहने वाला था। वह अपने चचेरे भाई सुरेश के साथ खुर्जा जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 3-4 पर कैंटीन चलाता था। सुरेश ने बताया कि बृहस्पतिवार रात जीआरपी कर्मचारियों ने अमर से पानी की बोतल ली थी।

इसके बाद कर्मचारियों और अमर के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि

विवाद के दौरान अमर प्लेटफॉर्म से ट्रैक पर कूद गया। इसी दौरान ट्रैक से गुजरी एक ट्रेन की टक्कर से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जीआरपी पर आरोप और फरार कर्मचारी

परिजनों का आरोप है कि जीआरपी कर्मचारियों के विवाद के कारण ही अमर ने यह कदम उठाया। आनन-फानन जीआरपी ने अमर के शव को अलीगढ़ में पोस्टमार्टम जांच के लिए भेज दिया। शव भेजने के बाद चौकी पर तैनात प्रभारी और सभी जीआरपी कर्मचारी वहां से फरार हो गए। मामले में खुर्जा जंक्शन जीआरपी प्रभारी अरविंद चौधरी का मोबाइल नंबर बंद मिला। अलीगढ़ जीआरपी प्रभारी ने भी इस विषय पर कोई जवाब नहीं दिया है।

दूसरी घटना और आरपीएफ की भूमिका

सुबह करीब तीन बजे रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक अन्य महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इस दूसरी घटना की जांच और पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए कोई भी जीआरपी कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था। ऐसे में आरपीएफ मौके पर पहुंची और महिला के शव के पास तैनात रही। आरपीएफ ने अलीगढ़ जीआरपी को इस मृत महिला के शव की सूचना दी। खुर्जा जंक्शन आरपीएफ प्रभारी नंदलाल मीणा ने बताया कि उन्हें दुकानदार की मौत के विषय में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने रेलवे ट्रैक पर मृत महिला के पोस्टमार्टम के लिए अलीगढ़ जीआरपी को सूचित करने की बात कही।

बांके बिहारी मंदिर : पत्थरों को नहीं मिल रही सांस, इसलिए जर्जर हो रहीं दीवारें, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। श्रीबांकेबिहारी मंदिर की नींव और संरचना ही कमजोर नहीं हो रही, बल्कि पूर्व में मंदिर की दीवारों पर लगाए गए पेंट के कारण यहां लगे पत्थर सांस नहीं ले पा रहे थे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मंदिर की संरचना का सर्वेक्षण कर हाईपावर कमेटी को रिपोर्ट सौंपी थी। वहीं एएसआई की विज्ञान शाखा के वैज्ञानिक मंदिर की दीवारों का केमिकल ट्रीटमेंट कराने में मदद कर रहे हैं। दीवारों पर लगी पॉलीमर की परत को हटवाकर वैज्ञानिक तरीके से ट्रीटमेंट किया जा रहा है, जिससे मंदिर के पत्थरों की आयु बढ़ जाएगी।

वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर का निर्माण लाल बलुई पत्थर से किया गया है। वर्ष 1864 में लाल पत्थर से बने मंदिर की दीवारों पर पॉलीमर की परत चढ़ा दी गई थी। सर्वेक्षण में एएसआई ने इसे मंदिर की सेहत के लिए खराब बताया। इसके

बाद एएसआई की विज्ञान शाखा से सहयोग मांगा गया। आगरा सर्किल के एएसआई विज्ञान शाखा के अधिकारियों की टीम ने हाईपावर कमेटी के निर्देश पर केमिकल ट्रीटमेंट कराने का काम शुरू कराया।

विशेषज्ञों की सलाह से मंदिर की दीवारों से पॉलीमर की परत हटवाई जा रही है। अन्य हिस्सों की वैज्ञानिक ढंग से सफाई के बाद यहां पत्थर के अनुकूल रिवर्सिबल कोटिंग कराई जा रही है। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपरी हिस्से के साथ दीवारों का ट्रीटमेंट हो चुका है। कुछ काम बाकी है। ट्रीटमेंट से लाल पत्थर की उम्र बढ़ेगी, जबकि पॉलीमर पेंट से नुकसान पहुंच रहा था।

सांस लेने वाली चट्टान है लाल पत्थर

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व इंजीनियर एमसी शर्मा के मुताबिक लाल बलुई पत्थर (रेड सैंड स्टोन) छिद्रपूर्ण और सांस लेने की प्रकृति का होता है। इस पर पॉलीमर या सिंथेटिक पेंट की कोटिंग से प्राकृतिक गुण नष्ट हो जाते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान ये है कि पत्थर के अंदर नमी कैद हो जाती है, जो दबाव से पपड़ी बनकर टूटने लगती है। धूप और गर्मी से नमी भाप बनकर पत्थर को कमजोर करती है। पॉलीमर युक्त कोटिंग अल्ट्रावॉयलेट किरणों के संपर्क में आने पर पीली या भूरी दिखने लगती है। इससे बाल बलुआ पत्थर का प्राकृतिक रंग खराब होने लगता है। कुछ पॉलीमर पत्थर में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करके इसे अंदर से खोखला कर देते हैं।

शाह आलम बने राष्ट्रीय लोकदल अवध क्षेत्र के महासचिव

सुलतानपुर। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश पर तथा अवध क्षेत्र के प्रदेशाध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल द्वारा गठित राष्ट्रीय लोकदल की नवनियुक्त अवध क्षेत्रीय कमेटी में शाह आलम को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए अवध क्षेत्र का महासचिव नियुक्त किया गया है। शाह आलम की नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी की लहर है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमता से राष्ट्रीय लोकदल को अवध क्षेत्र में और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त महासचिव शाह आलम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी एवं प्रदेशाध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा सौंपी गई।

बॉयफ्रेंड समीर ने जबरदस्ती खिलाई थी अबॉर्शन की दवा, ज्यादा ब्लीडिंग से नर्सिंग छात्रा की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र में जीएनएम सेकेंड ईयर की नर्सिंग छात्रा की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ज्यादा ब्लीडिंग होने छात्रा के मौत की बात सामने आई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने उसके बॉयफ्रेंड के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान मोहम्मद समीर के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया है कि घटना वाले दिन छात्रा सुबह करीब नौ बजे खाना लेकर समीर के पास उसके हॉस्टल में पहुंची थी। इस दौरान दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक प्रेगनेंसी को लेकर बातचीत हुई। छात्रा करीब तीन महीने की प्रेग्नेंट थी और वह शादी करना चाहती थी, जबकि आरोपी बॉयफ्रेंड अबॉर्शन कराने का

दबाव बना रहा था।

आरोप है कि छात्रा के इनकार करने पर समीर ने करियर और समाज में बदनामी का हवाला देकर उसे अबॉर्शन के लिए राजी किया। इसके बाद उसने छात्रा को अबॉर्शन की दवा खिला दी। दवा खाने के कुछ ही समय बाद छात्रा की तबीयत बिगड़ गई और तेज दर्द के साथ अधिक ब्लीडिंग होने लगी।

हालत बिगड़ने पर आरोपी ने छात्रा को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद समीर घबरा गया और अपने घर जौनपुर चला गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने यह भी बताया कि करीब सात महीने पहले भी उसने छात्रा को अबॉर्शन की दवा दी थी। उस समय छात्रा की हालत ठीक हो गई थी, लेकिन इस बार स्थिति गंभीर हो गई। पुलिस के अनुसार दोनों करीब एक साल से रिलेशनशिप में थे। पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना वाले दिन छात्रा बॉयफ्रेंड समीर के लिए घर बिरयानी बनाकर ले जाना चाहती थी, लेकिन उसकी मां ने कहा कि आज सब्जी पराठा ही ले जाओ। बिरयानी किसी और दिन अपनी दोस्त को खिला देना। दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ने थे। छात्रा सेकेंड ईयर में थी, जबकि आरोपी बॉयफ्रेंड थर्ड ईयर का छात्र है।

विटामिन डी की कमी होने पर क्या होता है? डाइट में किन चीजों का रखना चाहिए ख्याल

विटामिन डी की कमी को हल्के में भूल से भी नहीं लेना चाहिए। ये हमारी हड्डियों और इम्यूनिटी के लिए बेहद जरूरी है। इसको लेकर लोगों में मन में कई सवाल आते हैं। इनमें से एक ये भी है कि आखिर इसकी कमी क्यों होती है? चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं..

विटामिन डी की कमी हो तो माना जाता है कि हमारी हड्डियां कमजोर होने लगती है। पर क्या आप जानते हैं कि इसकी डेफिसिएंसी बॉडी के इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाती है। इसे हमारी बॉडी बनाती है लेकिन इसका बड़ा सोर्स धूप है। क्या आप जानते हैं कि इसकी कमी लगातार बनी रहे तो शरीर में क्या होता है? इस तत्व की कमी को लेकर टीवी9 ने जयपुर के अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल के डॉक्टर रोहित शर्मा से बात की। एक्सपर्ट कहते हैं कि पोषक तत्व कम है तो कैल्शियम भी ठीक से अवशोषित नहीं हो पाता है। एनसीबीआई की रिपोर्ट में साल 2014 में आई एक रिसर्च का जिक्र किया गया है। इसके मुताबिक भारत की नॉर्मल पॉपुलेशन में करीब 70 से 100 फीसदी लोगों में विटामिन डी की कमी पाई गई।

इससे न सिर्फ शहर के लोग बल्कि ग्रामीण इलाकों की आबादी भी प्रभावित है। चलिए आपको बताते हैं कि विटामिन डी की कमी क्यों होती है? अगर लगातार ऐसा हो तो शरीर में क्या होता है? साथ ही कैसे इसकी पूर्ति की जा सकती है।

विटामिन डी कमी बनी रहे तो क्या होता है?

डॉ। रोहित शर्मा (कंसलटेंट – इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर) कहते हैं कि विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है, क्योंकि यह कैल्शियम को शरीर में अवशोषित करने में मदद करता है और हड्डियों, दांतों तथा मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है, तो कैल्शियम का सही उपयोग नहीं हो पाता, जिससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, मांसपेशियों में दर्द, थकान, कमजोरी, बार-बार बीमार पड़ना और जोड़ों में असहजता जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

करें इसकी पूर्ति

डॉक्टर रोहित कहते हैं कि कई लोग यह मानते हैं कि केवल दूध पीने से विटामिन डी की जरूरत पूरी हो जाती है, जबकि वास्तविकता यह है कि विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत धूप है। सुबह की हल्की धूप में नियमित रूप से 15 से 30 मिनट तक समय बिताना फायदेमंद हो सकता है।

डाइट में खाएं ये चीजें

डाइट की बात करें तो अंडे की जर्दी, फैटी फिश, मशरूम, फोर्टिफाइड दूध, दही और कुछ अनाजों में विटामिन डी पाया जाता है। साथ ही कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे दूध, पनीर, दही, तिल, सोया और हरी पत्तेदार सब्जियां भी भोजन में शामिल करनी चाहिए, क्योंकि विटामिन डी और कैल्शियम एक-दूसरे के पूरक हैं।

न करें ये गलतियां

बहुत अधिक जंक फूड, मीठे पेय और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन कम

ऐसे

करना चाहिए। जिन लोगों को लंबे समय से कमजोरी, हड्डियों में दर्द या बार-बार फ्रैक्चर की समस्या हो रही हो, उन्हें डॉक्टर की सलाह पर विटामिन डी की जांच करानी चाहिए। बिना सलाह के सप्लीमेंट लेने के बजाय सही जांच और संतुलित आहार पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है।

वर्केशन पर जा रहे हैं? काम और मस्ती के बीच संतुलन बनाए रखने के 5 तरीके

वर्केशन एक ऐसा चलन है, जो काम और आराम को एक साथ मिलाता है। इसमें आप अपने ऑफिस के काम को किसी खूबसूरत जगह पर जाकर भी कर सकते हैं। यह न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपको नए अनुभव और यादें भी देता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने वर्केशन को और भी मजेदार बना सकते हैं और काम के साथ-साथ आराम का भी आनंद ले सकते हैं।

योजना बनाएं

वर्केशन की शुरुआत अच्छी योजना बनाकर करें। पहले से तय करें कि कब और कहां जाना है और वहां कितने दिन रुकना है। इसके अलावा यह भी तय करें कि किन दिनों आपको काम करना है और किन दिनों को घूमने-फिरने के लिए रखना है। इससे आपको यह पता रहेगा कि कब काम करना है और कब आराम करना है, जिससे आपका वर्केशन संतुलित रहेगा और आप दोनों का आनंद ले सकेंगे।

समय प्रबंधन करें

काम और आराम के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए समय प्रबंधन बहुत जरूरी है। सुबह जल्दी उठकर पहले काम करें और फिर बाकी समय घूमने-फिरने या अन्य गतिविधियों के लिए रखें। इस तरह आप अपने काम को भी पूरा कर पाएंगे और साथ ही आपको घूमने का भी समय मिलेगा। इसके अलावा आप अपने काम के समय को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उसे पूरा करें, ताकि आप बिना किसी तनाव के अपने वर्केशन का आनंद ले सकें।

तकनीक का उपयोग करें

वर्केशन के दौरान तकनीक का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। अपने कंप्यूटर या मोबाइल फोन का उपयोग करें, ताकि आप ऑफिस के काम को आसानी से कर सकें। इसके अलावा अगर आप किसी ऐसी जगह पर हैं, जहां इंटरनेट की समस्या हो सकती है तो पहले से ही सभी जरूरी कागजात डाउनलोड कर लें, ताकि आपको कोई दिक्कत न हो। इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने वर्केशन का आनंद ले सकते हैं।

स्थानीय संस्कृति को जानें

अपने वर्केशन के दौरान स्थानीय संस्कृति को जानने के लिए समय जरूर निकालें। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आपको नए-नए अनुभव भी मिलेंगे। आप स्थानीय बाजार जा सकते हैं, वहां के खाने का स्वाद ले सकते हैं या किसी स्थानीय कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इससे आपका वर्केशन और भी यादगार बनेगा और आपको वहां की संस्कृति का गहरा अनुभव मिलेगा, जिससे आप नई यादें भी बना सकेंगे।

दोस्तों या परिवार के साथ जाएं

वर्केशन अकेले करने के बजाय दोस्तों या परिवार के साथ करें। इससे आपका समय जल्दी बीतेगा और आपको ज्यादा मजा आएगा। साथ ही आप अपने करीबियों के साथ समय बिताकर उनकी कंपनी का आनंद ले सकेंगे। इस तरह आपका वर्केशन न केवल कामकाजी रहेगा, बल्कि दोस्तों और परिवार संग बिताए समय से भरपूर भी होगा। उनसे आप कुछ कामों में मदद भी ले सकते हैं, ताकि काम जल्दी खत्म हो सके।

रोजाना 10k कदम चलने से शरीर में क्या होता है? एक्सपर्ट ने बताया

रोजाना 10 हजार कदम चलना लोगों में काफी पॉपुलर है। मोबाइल, स्मार्ट वॉच या दूसरे गैजेट्स से स्टेप काउंट करना आसान हो गया है। इसलिए ज्यादातर अब 10 हजार कदम चलने को रूटीन में शामिल करने लगे हैं। क्या आप जानते हैं इससे शरीर में क्या फर्क पड़ता है। चलिए आपको बताते हैं।

सैर करने का तरीके में कई बदलाव यानी मॉडर्न तरीके अपनाए जाते हैं। इनमें से एक रोजाना 10 हजार कदम चलना भी शामिल है। सोशल मीडिया पर वीडियो या पोस्ट देखकर लोग स्मार्ट वॉच और दूसरे गैजेट्स से अपने स्टेप काउंट करते हैं। कई स्टडी में आया है कि लोग 10 हजार कदम चलने का मेंटल प्रेशर भी लेने लगे हैं। वैसे यहां हम बताने जा रहे हैं कि आखिर रोजाना ऐसा करने से शरीर में क्या बदलाव नजर आते हैं। डॉक्टर राकेश कुमार सिंह (साइंटिस्ट, AIIMS, नई दिल्ली) कहते हैं कि पैदल चलना हमारे शरीर की कोशिकीय, अंगीय जो प्रणालीगत स्तर है उसके प्रभावति करता है। इसकी वजह से हमारी हेल्थ में पॉजिटिव इफेक्ट्स नजर आते हैं।

पैदल चलने से हमारी मांसपेशियों और दूसरे अंगों में ब्लड फ्लो बेहतर हो पाता है। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के फिटनेस ट्रेनर सिद्धार्थ सिंह ने अपने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में इसको लेकर जानकारी साझा की। चलिए आपको बताते हैं कि रोजाना ऐसा करने से हमारे शरीर में कौन-कौन से बदलाव आते हैं।

डॉक्टर राकेश कहते हैं कि हमारे शरीर की अधिकांश मांसपेशियां पैरों में होती हैं, इसलिए दिनभर में ज्यादा चलना स्वस्थ रक्त शर्करा से स्तर को सही बनाए रखने का तरीका है। क्योंकि इससे मांसपेशियों को ग्लूकोज अवशोषित करने में बेहतर हेल्प मिलती है। बल्ड शुगर का लेवल सही रखने से लिवर में ट्राइगिलिस्ट्राइड का प्रोडक्शन कम होता है।

नियमित शारीरिक गतिविधि से पूरी हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वजन को बनाए रखने या इसे बढ़ने से रोकने में ये एक्टिविटी काफी हेल्प करती है। ब्लड शुगर, बल्ड प्रेशर और फैट के सुधार हो सकता है।

शरीर में नजर आते हैं ये बदलाव

पहला वीक- शरीर में दर्द महसूस होना

ट्रेनर सिद्धार्थ कहते हैं कि इस रूटीन को अपनाने में एक हफ्ता लग ही जाता है। शुरू में मांसपेशियों में दर्द, हल्की इरिटेशन और थोड़ी दिनचर्या में गड़बड़ी महसूस हो सकती है। लेकिन धीरे-धीरे आपका शरीर इसके अनुकूल होने लगता है।

दूसरा वीक- अच्छा डाइजेशन और हल्कापन महसूस होना

ट्रेनर कहते हैं कि जब आप दूसरे वीके में शामिल होते हैं तो चीजें बदली हुई नजर आने लगती है। ऐसे में शरीर में होने वाली अकड़न कम होने लगती है और आराम महसूस होने लगता है। इस दौरान पाचन बेहतर फील होता है और शरीर में अलग ही एनर्जी महसूस होने लगती है।

तीसरा हफ्ता- एनर्जेटिक फील होना

सिद्धार्थ के मुताबिक तीसरे हफ्ते में हमारा शरीर इसके अनुकूल खुद को ढाल लेता है। ऐसे में बॉडी एनर्जेटिक रहने लगती है क्योंकि दिन भर में सुस्ती कम महसूस होती है। इसके कई फायदे हैं जिसमें हमारे मूड का बेहतर होना भी शामिल है। स्ट्रेस कम होने लगता है क्योंकि आप शांत महसूस करने लगते हैं। इस कंडीशन में बेहतर नींद तक आने लगती है।

एक महीना होने पर- वेट मैनेजमेंट में फर्क

जब आप इस रूटीन को लगातार चौथे हफ्ते फॉलो करते हैं तो वेट मैनेजमेंट में भी फर्क नजर आने लगता है। जैसे हमारी बॉडी में एनर्जी स्टेबल होने लगती है, हल्कापन महसूस होने लगता है। सबसे बड़ा बेनिफिट है कि शरीर का वजन मेंटेन होने लगता है। लोग एक या दो दिन 10 हजार कदम चलकर फायदों की सोचने लगते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि 10 हजार कदम चलने से रातों रात फर्क नहीं दिखता। इसके लिए रूटीन को फॉलो करना जरूरी है।

भारतीय कपड़ा उद्योग में लौटा दम: अमेरिकी शुल्क कम होने से मांग में तेजी, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कपड़ा क्षेत्र अब सुधार के दौर में प्रवेश कर रहा है। अमेरिकी शुल्कों से जुड़ी अनिश्चितता कम होने और वैश्विक मांग में सुधार से यह संभव हुआ है। रिपोर्ट में उद्योग के बेहतर बुनियादी सिद्धांतों, मांग की स्पष्टता और अनुकूल नीतिगत विकास पर जोर दिया गया है। यह क्षेत्र अब नए आशावाद के चरण में प्रवेश कर रहा है। डोलाट कैपिटल की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 के अंत में एक बड़ा बदलाव आया। भारतीय कपड़ा उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क 50 फीसदी से घटकर 10 फीसदी हो गए। अमेरिकी प्रतिशोधात्मक और दंडात्मक शुल्कों के समाप्त होने से भारतीय कपड़ा क्षेत्र को बड़ी राहत मिली है। इससे व्यापार सामान्य हुआ और निर्यात की मात्रा स्थिर हुई। दंडात्मक शुल्कों को हटाने से भारतीय निर्यात की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बहाल हुई है। अमेरिकी बाजार में रुकी हुई मांग भी अब बाहर आ रही है। उद्योग के बुनियादी सिद्धांत भी काफी सुधरे हैं। कताई में क्षमता समेकन, कपास की लागत प्रतिस्पर्धा की बहाली और यार्न के प्रसार में मजबूत सुधार हुआ है। इससे पूरे मूल्य श्रृंखला में लाभप्रदता बेहतर हुई है।

क्या अमेरिकी शुल्क कम होने से भारत को फायदा हुआ?

अमेरिकी शुल्कों में कमी भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई है। पहले ये शुल्क 50 फीसदी तक पहुंच गए थे, जिससे भारतीय उत्पादों की लागत बढ़ गई थी। दंडात्मक शुल्क हटने से कुल शुल्क जो 65-69 फीसदी तक थे, वे अब काफी कम हो गए हैं। इससे भारतीय निर्यातकों को वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता वापस मिली है। अमेरिका में दबी हुई मांग भी अब सामने आ रही है, जिससे भारतीय उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हो रही है। यह बदलाव उद्योग के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है।

उद्योग के बुनियादी सिद्धांत कैसे मजबूत हुए हैं?

रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग के बुनियादी सिद्धांतों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कताई खंड में क्षमता का समेकन हुआ है, जिससे उत्पादन दक्षता बढ़ी है। कपास की लागत प्रतिस्पर्धा भी बहाल हुई है, जिससे निर्माताओं को फायदा मिल रहा है। यार्न के प्रसार में तेज वृद्धि देखी गई है, जो लाभप्रदता को बढ़ा रही है। इन सभी कारकों ने मिलकर पूरे मूल्य श्रृंखला में बेहतर लाभ सुनिश्चित किया है। यह सुधार उद्योग को भविष्य के लिए मजबूत आधार प्रदान कर रहा है।

भारत वैश्विक आपूर्ति शृंखला में कैसे मजबूत हो रहा है?

भारत यूके, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख बाजारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। ये समझौते उद्योग को संरचनात्मक सहायता प्रदान करेंगे। वैश्विक खरीदार अब बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे शुल्क-मुक्त राष्ट्रों पर निर्भरता कम कर रहे हैं। वे अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की कोशिश में हैं, जिससे भारत एक आकर्षक दीर्घकालिक सोर्सिंग विकल्प बन रहा है। मजबूत घरेलू मांग और अनुशासित पूंजी आवंटन से यह क्षेत्र टिकाऊ वृद्धि के लिए तैयार है। हालांकि, निवेशकों को अमेरिकी शुल्कों की निरंतरता और कपास की कीमतों में अस्थिरता पर नजर रखनी चाहिए।

सरकार ने खत्म किया एथेनॉल वाले फ्यूल पर एक्साइज ड्यूटी, किसको मिलेगा इसका सबसे ज्यादा फायदा

केंद्र सरकार ने 22% से 30% तक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (E22, E25, E27 और E30) को केंद्रीय एक्साइज ड्यूटी से छूट देने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम से एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा तो मिलेगा ही साथ ही कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम हो सकेगी। अब सवाल है कि सरकार के इस फैसले का फायदा किसे मिलेगा। दरअसल इसका फायदा आम जनता को तो मिलेगा ही साथ ही शुगर और एथेनॉल कंपनियां, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भी इसका लाभ मिलेगा। आइए समझते हैं इस फैसले का असर किस पर कैसे होगा।

इन कारोबार को मिलेगी मजबूती

इस फैसले का सबसे बड़ा लाभ उन कंपनियों को मिल सकता है जो एथेनॉल उत्पादन में सक्रिय हैं। अधिक एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन की मांग बढ़ने से शुगर मिलों और डिस्टिलरी कारोबार को मजबूती मिलेगी। वही इसका फायदा मक्का और गन्ना किसानों को मिल सकेगा। दरअसल एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना और अनाज आधारित फीडस्टॉक की मांग बढ़ने से किसानों की इनकम बढ़ सकती है।

तेल कंपनियों को कैसे मिलेगा इसका फायदा

सरकार के इस फैसले के बाद तेल मार्केटिंग कंपनियां जो अब तक कच्चे तेल के आयात पर निर्भर होती थी। इस कदम से आयात पर निर्भरता कम हो सकेगी। देश की दिग्गज तेल कंपनियां जैसे हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन की बिक्री बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

एथेनॉल से किसे मिलेगा लाभ

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। ऐसे में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने से विदेशी तेल पर निर्भरता कम होगी और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर सीमित किया जा सकेगा। सरकार का यह कदम E20 कार्यक्रम से आगे बढ़ते हुए E30 तक के ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा संकेत माना जा रहा है और इससे भारत के बायोफ्यूल सेक्टर को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

आम जनता को क्या मिलेगा फायदा

सरकार के इस फैसले से तेल कंपनियों और किसानों को तो फायदा मिलेगा ही। साथ ही इसका असर आम जनता की जेब पर भी दिख सकेगा। हालांकि अभी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में किसी तत्काल बदलाव की घोषणा नहीं हुई है। लेकिन लंबे समय में अधिक एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन से लागत को नियंत्रित करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में मदद मिल सकती है। बंगाल चुनाव के बाद से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी हो चुकी है। तेल कंपनियां अपने नुकसान का हवाला दे रही है। ऐसे में सरकार ने एथेनॉल का ये मास्टरस्ट्रोक खेला है। इसे फौरी तौर पर राहत तो नहीं कहा जा सकता लेकिन लंबे समय में इस फैसले का असर निश्चित तौर पर दिखेगा।

भारत ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में योगदान देने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश : रिपोर्ट

वर्ष 2020 से 2030 के बीच ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में योगदान देने वाला भारत दूसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जर्मनी की वेंचर कैपिटल फर्म 'फाउंडामेंटल' की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में भारत और चीन की संयुक्त हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, पूंजीगत खर्च तेजी से पांच देशों में केंद्रित हो रहा है, जिसमें भारत, चीन, अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस शामिल हैं।

फाउंडामेंटल के को-फाउंडर और जनरल पार्टनर शुभंकर भट्टाचार्य ने कहा, 2020 से 2030 के बीच वॉल्यूम के हिसाब से ग्लोबल कंस्ट्रक्शन ग्रोथ में भारत का हिस्सा 14.1 प्रतिशत है, औक यह चीन के 26.1 प्रतिशत के बाद दूसरे स्थान पर है। वहीं, अमेरिका 11.1 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।

2024 में दुनिया में कंस्ट्रक्शन पर खर्च 15.97 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया और 2028 तक इसके बढ़कर 19.86 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 5.6 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) है। इस कुल खर्च में, इंफ्रास्ट्रक्चर दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ने वाला मुख्य कंस्ट्रक्शन सेक्टर है, जो 2020 और 2025 के बीच 5.1 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा है।

भारत में यह रफ्तार काफी ज्यादा है। देश के इंफ्रास्ट्रक्चर मार्केट के इस दशक के अंत तक सालाना लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो ग्लोबल दर से काफी ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 1960 के बाद से वैश्विक सकल अचल पूंजी निर्माण में लगभग 30 गुना बढ़ोतरी हुई है, और यह निवेश कुछ चुनिंदा बड़ी अर्थव्यवस्थाओं तक ही सीमित होता जा रहा है।

भट्टाचार्य ने कहा, ग्लोबल कंस्ट्रक्शन पर होने वाला खर्च पहले के अनुमानों से कहीं अधिक हो गया है और इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्रियल फैसिलिटीज, एनर्जी सिस्टम, ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नए मौके बन रहे हैं।

रिपोर्ट का अनुमान है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग की वजह से ग्लोबल डेटा सेंटर कंस्ट्रक्शन मार्केट 2018 के मुकाबले 2030 तक दोगुना हो जाएगा, जिससे डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर 2030 तक सबसे तेजी से बढ़ने वाले कंस्ट्रक्शन सेगमेंट में से एक बन जाएगा। भट्टाचार्य ने कहा, 2030 तक डेटा सेंटर कंस्ट्रक्शन ग्लोबल कंस्ट्रक्शन मार्केट में 10 से 15 प्रतिशत तक का योगदान दे सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत कई लॉन्ग-टर्म ग्रोथ ट्रेंड्स से एक साथ फायदा उठाने की स्थिति में है, जिनमें इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, एनर्जी ट्रांज़शिन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और शहरीकरण शामिल हैं।

भारत के दुश्मनों को हथियार देता है यूरोप... रूस से तेल खरीदने के सवाल पर जयशंकर का करारा जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत के रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका और यूरोप के कई देश कड़ी आलोचना करते रहे हैं। यूरोप में रूस से तेल खरीदने से जुड़े एक सवाल पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय देशों पर ही तीखा हमला करते हुए कहा कि ये देश भारत के दुश्मनों को हथियार बेचते हैं जिसका इस्तेमाल हम पर हमले के लिए किया जाता है। यह आज से नहीं, बल्कि कई सालों से होता आ रहा है। लेकिन हम भारतीय लोगों ने कभी भी यूरोप को खतरे में डालने वाला कोई काम नहीं किया।"

यूरोप की यात्रा पर गए विदेश मंत्री जयशंकर ने फिनलैंड में एक कार्यक्रम में कहा, "यूरोपीय देश ऐसे देशों को हथियार बेचते हैं जिनका इस्तेमाल भारत पर हमले के लिए किया जाता है। यह सब कुछ अभी से नहीं बल्कि कई सालों से किया जा रहा है। लेकिन हम भारतीयों ने कभी भी यूरोप को खतरे में डालने वाला कोई काम नहीं किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक वाजिब बात है।" विदेश मंत्री जयशंकर ने फ़िनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और UAE की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसेबेह के साथ 'कुलतारंता टॉक्स' (Kultaranta Talks) में 'Emerging Powers and the New Geopolitical Competition' विषय पर एक पैनल चर्चा में हिस्सा लेते हुए यह बात कही।

समाचार एजेंसी ANI की रिपोर्ट के अनुसार, चर्चा के दौरान एक पत्रकार ने विदेश मंत्री से पूछा कि भारत "रूस के प्रति बहुत ज्यादा सहानुभूति" रखता है और "रूस से तेल खरीदने के लिए बहुत ज्यादा इच्छुक" रहता है, इस पर जयशंकर ने 2 अहम बातों का जिक्र करते हुए सख्ती से जवाब दिया और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा तथा एनर्जी सिक्योरिटी सुनिश्चित करने के लिए भारत के व्यावहारिक नजरिए पर जोर दिया।

'हमारे हथियारों ने यूरोप पर हमला नहीं किया'

जयशंकर ने अपने जवाब में कहा, "मैं 2 बातें कहना चाहूंगा। मैं कीमत और उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता हूं। उस समय, बाजार में ज्यादातर तेल रूस का ही उपलब्ध था क्योंकि यूरोपीय देश मुख्य रूप से मध्य पूर्व से तेल खरीद रहे थे, जो हमारा पारंपरिक सप्लायर भी था। इसलिए हालात ने हमें एक खास दिशा में आगे बढ़ने के लिए मजबूर किया।"

उन्होंने भारत की सुरक्षा से जुड़े मामलों में यूरोप की ऐतिहासिक और नैतिक विसंगतियों की ओर भी इशारा किया। विदेश मंत्री ने कहा, "किसी भी यूरोपीय देश पर भारतीय हथियारों से हमला नहीं हुआ है। काश यही बात मैं यूरोप के हथियारों के मामले में भी भारत के लिए कह पाता।"

जब विदेश मंत्री से इस बारे में विस्तार से बताने को कहा गया, तो जयशंकर ने इस क्षेत्र में पश्चिमी देशों की ओर से हथियारों की सप्लाई को लेकर भारत की पुरानी चिंताओं को दोहराया। विदेश मंत्री ने कहा, "यूरोप हथियार बेचता है, जिनका इस्तेमाल भारत पर हमले के लिए भी किया जाता है। ऐसा सिर्फ अभी के लिए नहीं है, बल्कि यह कई सालों से होता रहा है। हम भारतीयों ने कभी भी यूरोप को खतरे में डालने वाला कोई काम नहीं किया है। मुझे लगता है कि यह एक वाजिब बात है।"

'हम भी खेल समझते हैं' US पर जयशंकर का तंज

साल 2022 की घटनाओं का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि मॉस्को पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद ग्लोबल एनर्जी मार्केट में स्थिरता लाने में भारत की भूमिका को अमेरिका ने भी माना था। विदेश मंत्री के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर महंगाई को काबू में रखने और तेल की सप्लाई में बड़ी रुकावट को रोकने के लिए वॉशिंगटन ने नई दिल्ली को रूसी कच्चा तेल (Crude Oil) खरीदना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था।

जयशंकर ने कहा, "लोगों को यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय अमेरिका ने खास तौर पर भारत से रूसी तेल खरीदने को कहा था ताकि ग्लोबल मार्केट में स्थिरता बनी रहे। पिछले साल रूसी तेल खरीदने के लिए हम पर भारी टैरिफ लगाने के बाद, अमेरिका ने रूसी तेल पर अपने प्रतिबंध हटा लिए थे। आइए ऐसा दिखावा न करें कि इसमें कोई बहुत बड़ा सिद्धांत शामिल है।" उन्होंने आगे कहा, "पॉलिसी एक दिन लागू होती है और अगले दिन खत्म गहो जाती है, यानी जब हमारे लिए सही हो तो करो और जब न हो तो मत करो। देखिए, हम सब समझदार लोग हैं। हम जानते हैं कि यह खेल कैसे खेला जाता है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह असल में सिद्धांतों या नैतिक दिखावे के बारे में है।"

सेना को नहीं मिल रहे संसाधन... आरोप लगाकर ब्रिटेन के दो रक्षा मंत्रियों ने छोड़ा पद

ब्रिटेन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर को बड़ा झटका लगा है। रक्षा सचिव जॉन हीली ने डिफेंस बजट को लेकर सरकार से मतभेद के कारण इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ब्रिटिश सेना को उसकी जरूरत के हिसाब से पैसा और संसाधन नहीं दे रही है। हीली के इस्तीफे के कुछ समय बाद सशस्त्र बल मामलों के मंत्री अल कार्न्स ने भी पद छोड़ दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे में कहा कि सरकार सेना को वह सुविधाएं और समर्थन नहीं दे पा रही है, जिसकी उसे जरूरत है। कार्न्स का कहना है कि दुनिया तेजी से बदल रही है और युद्ध का तरीका भी बदल रहा है, लेकिन सेना के लिए हथियार और उपकरण खरीदने की प्रक्रिया उतनी तेजी से आगे नहीं बढ़ रही। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सेना को पहले से ज्यादा खतरनाक माहौल में काम करना पड़ रहा है, लेकिन उसका बजट ऐसे समय के हिसाब से तय किया गया है जब दुनिया अपेक्षाकृत शांत थी।

इस्तीफों के बाद ब्रिटिश सरकार ने डैन जार्विस को नया रक्षा सचिव नियुक्त कर दिया है। यह पूरा विवाद ऐसे समय सामने आया है ,जब सरकार अगले हफ्ते होने वाली NATO शिखर समिट से पहले ब्रिटेन की रक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की नई योजना पेश करने वाली है। हालांकि सरकार के अंदर बजट को लेकर मतभेद होने की वजह से इस योजना की घोषणा कई बार टाली जा चुकी है।

प्रधानमंत्री स्टार्मर ने हीली को लिखे जवाब में कहा कि उनकी सरकार ने रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सहायता बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ाया। स्टार्मर के मुताबिक, यह कोल्ड वॉर के बाद रक्षा बजट में सबसे बड़ी लगातार बढ़ोतरी है। स्टार्मर का कहना है कि नई रक्षा निवेश योजना सेना को जरूरी संसाधन देगी और साथ ही ब्रिटेन में रोजगार और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी। दूसरी तरफ हीली का आरोप है कि बढ़ते वैश्विक खतरों के बावजूद सरकार और वित्त मंत्रालय सेना को पर्याप्त पैसा देने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में खुद स्टार्मर ने कहा था कि ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2030 तक NATO देशों पर हमला करने की स्थिति में पहुंच सकता है।

स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव

इन इस्तीफों ने स्टार्मर की राजनीतिक मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पिछले स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद उनकी लोकप्रियता पहले ही गिर चुकी है। अब उनकी पार्टी के कई नेता भी उनसे पद छोड़ने की मांग कर रहे हैं, जिससे उनकी सरकार पर दबाव और बढ़ गया है।

होर्मुज खुलवाने के लिए कई देशों की संयुक्त सेना भेजने की तैयारी कर रहा US, भारत का इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित और खुला रखने के लिए अमेरिका कई देशों की संयुक्त सैन्य व्यवस्था पर काम कर रहा है। अगर ईरान के साथ बातचीत से समाधान नहीं निकलता, तो इस मुद्दे पर कई देशों की सेना तैनात करने के प्रस्ताव पर फ्रांस में होने वाली बैठक में चर्चा की जाएगी। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की ओर से भारत पर भी इस मिशन में सैन्य योगदान देने का दबाव है, लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी सेना नहीं भेजेगा। भारत का कहना है कि क्षेत्रीय तनाव का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए। फ्रांस में मिडिल ईस्ट को लेकर होने वाली बैठक में भारत अपना पक्ष रखेगा। वहीं G7 शिखर सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भारत का रुख दुनिया के सामने रखेंगे।

ईरान के साथ बातचीत के मुद्दे पर एवं होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए फ्रांस ने इजिप्ट, कतर, UAE और सऊदी अरब को न्योता दिया है। 16 जून को होने वाली इस मीटिंग में इन देशों के अलावा भारत और अमेरिका भी शामिल होगा। 15 से 17 जून तक होने वाला यह समिट, जो फ्रांस के शहर एवियन-लेस-बेन्स मेंहोगा, दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं को एक साथ लाएगा, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ दूसरे हाई-लेवल डेलीगेशन भी शामिल होंगे।

अधिकांश चर्चाओं में शामिल होगा भारत

बता दें कि मिडिल ईस्ट के मुद्दे पर G7 में चर्चा होगी। रूस यूक्रेन मुद्दे पर G7 देशों के बीच चर्चा होगी। भारत का अधिकांश मामलों में भागीदारी होगा। 14 मई को प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। दोनों लंच पर भी साथ होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस में G7 समिट के साथ-साथ पेरिस में एक टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में भी शामिल होंगे। पीएम मोदी का फ्रांस और स्लोवाकिया के दो देशों के दौरे का हिस्सा है। मोदी नीस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलेंगे और फिर रविवार को स्लोवाकिया जाएंगे, जहां उनके प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको से मिलने की उम्मीद है।

7 साल बाद फ्रांस में G7 समिट

यह G7 का 52वां शिखर सम्मेलन होगा। इससे पहले फ्रांस ने 2019 में बियारित्ज में G7 की मेजबानी की थी। वहीं एवियन-ले-बैं ने 2003 में G8 सम्मेलन की मेजबानी की थी। करीब 23 साल बाद यह शहर फिर वैश्विक कूटनीति का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। G7 दुनिया की सात विकसित अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, जापान और कनाडा शामिल हैं। यूरोपीय संघ (EU) भी इस समूह की बैठकों में हिस्सा लेता है। यह मंच दुनिया की आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़ी बड़ी चुनौतियों पर चर्चा के लिए बनाया गया है।

तेजस फाइटर जेट प्रोजेक्ट में फर्जीवाड़ा! एचएएल ने सप्लायर कंपनी को किया ब्लैकलिस्ट, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। देश के सबसे महत्वपूर्ण स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम 'तेजस Mk1A' फाइटर जेट को लेकर बेहद गंभीर मामला सामने आया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने हैदराबाद की एक सप्लायर कंपनी पर लड़ाकू विमान के पार्ट्स से जुड़ी 199 फर्जी टेस्ट रिपोर्ट जमा करने का बड़ा आरोप लगाया है। मामले का खुलासा होने के बाद HAL ने कंपनी के खिलाफ एक्शन लेते हुए FIR दर्ज कराई है, साथ ही उसे 3 साल के लिए ब्लैकलिस्ट भी कर दिया है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के मुताबिक, हैदराबाद स्थित 'TEC एयरो डिवाइसेस' कंपनी को मार्च 2022 से तेजस फाइटर जेट प्रोग्राम के लिए अलग-अलग पार्ट्स (कंपोनेंट्स) की सप्लाई के लिए 18 परचेज ऑर्डर दिए गए थे। कंपनी ने इन पार्ट्स की क्वालिटी साबित करने के लिए सैंपल और टेस्ट रिपोर्ट भी जमा करवाई थी। इसके आधार पर ही उसे 35 तरह के पार्ट्स बनाने की मंजूरी दी गई।

कंपनी की यह धोखाधड़ी तब पकड़ में आई जब HAL ने एक नियमित क्वालिटी वेरिफिकेशन के दौरान कंपनी से टेस्ट रिपोर्टों की ओरिजिनल कॉपियां मांगी। HAL ने पार्ट्स की मजबूती और क्वालिटी से जुड़े कई अहम टेस्ट (जैसे- टेन्साइल स्ट्रेंथ, हार्डनेस, और शियर टेस्ट) से जुड़ी मूल रिपोर्ट मांगी थी, जिसे सप्लायर कंपनी दे नहीं सकी।

बाद में, HAL ने जब थर्ड-पार्टी टेस्टिंग एजेंसी 'एक्सिस इंस्पेक्शन सॉल्यूशंस' का ऑडिट किया, तो बड़ा सच सामने आया। जांच के दौरान पता चला कि फरवरी 2023 से सितंबर 2023 के बीच जमा की गई सभी 199 रिपोर्ट फर्जी थीं। टेस्टिंग एजेंसी के नाम और लेटरहेड का गलत इस्तेमाल करके ये जाली दस्तावेज तैयार करवाए गए थे।

तेजस Mk1A भारतीय वायुसेना (IAF) का सबसे आधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान है। रक्षा के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद ही अहम माना जाता है। यही वजह है कि वायुसेना के विमानों की सुरक्षा और गुणवत्ता से जुड़े किसी भी फर्जीवाड़े को रक्षा प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती माना जा रहा है।

एचएएल ने की सख्त कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड हरकत में आई और उसने देश की सुरक्षा और 'मेक इन इंडिया' अभियान के साथ खिलवाड़ करने वाली इस कंपनी के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया। पहला, सप्लायर कंपनी 'TEC एयरो डिवाइसेस' को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। साथ ही कंपनी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराते हुए FIR कराई गई है। राहत की बात यह रही कि HAL की ओर से इस सप्लायर कंपनी को अब तक कोई भी भुगतान नहीं किया गया था।

'यही स्वभाव ममता की ताकत और कमजोरी भी', मणिशंकर अय्यर ने बताया तृणमूल में टूट का बड़ा कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस को लेकर बड़ा राजनीतिक संकट सामने आया है। विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी के कई सांसदों और विधायकों के अलग होने की खबरों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने ममता बनर्जी के नेतृत्व और उनके व्यक्तित्व पर खुलकर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि ममता की मर्क्यूरियल पर्सनैलिटी यानी बेहद तेज, भावुक, अप्रत्याशित और अपने फैसलों पर अडिग रहने वाला स्वभाव ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और कमजोरी दोनों है। अय्यर का कहना है कि ममता बनर्जी का यही स्वभाव, जिसने उन्हें राजनीति की ऊंचाइयों तक पहुंचाया, आज पार्टी के सामने खड़े संकट की एक बड़ी वजह भी बन गया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ममता बनर्जी की राजनीतिक यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है और उनके पास वापसी का अवसर मौजूद है। तृणमूल कांग्रेस में कथित टूट को लेकर मणिशंकर अय्यर ने कहा कि काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में लगभग 20 लोकसभा सांसदों ने अलग संसदीय समूह बना लिया है और भाजपा नीत एनडीए को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके अलावा तीन राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दिया है और 80 में से 60 से अधिक विधायक भी अलग गुट में शामिल हो गए हैं। यह घटनाक्रम विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के कुछ ही सप्ताह बाद सामने आया है। अय्यर ने कहा कि घटनाएं जिस तेजी से हुई हैं, वह चौंकाने वाली हैं, लेकिन उन्हें इस स्थिति पर पूरी तरह आश्चर्य नहीं है। मणिशंकर अय्यर ने कहा कि ममता बनर्जी भारतीय राजनीति की बेहद असाधारण नेता हैं। उनके अनुसार ममता का आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रही है। उन्होंने याद दिलाया कि पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन को खत्म कर सत्ता तक पहुंचने के लिए ममता बनर्जी ने 12 से 13 वर्षों तक लगातार संघर्ष किया था। अय्यर ने कहा कि हर दिन और हर स्तर पर लड़ने की उनकी क्षमता ने उन्हें एक बड़े जननेता के रूप में स्थापित किया। यही कारण है कि आज भी वह भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिनी जाती हैं।

'अल्फा' का टीजर हुआ रिलीज, आलिया भट्ट का दिखा दमदार एक्शन अवतार, बॉबी देओल ने दिया खतरनाक ट्विस्ट

यश राज फिल्म्स ने आखिरकार अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म अल्फा का टीजर जारी कर दिया है, जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली किस्त है। शिव रावेल द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित इस एक्शन थ्रिलर में आलिया भट्ट और शरवरी लीड रोल में हैं। साथ ही बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और स्पाई फ्रेंचाइजी की पहली फीमेल लीड स्पाई फिल्म है।

टीजर दर्शकों को वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के एक गहरे और अधिक भावनात्मक पहलू से जोड़ रहा है। किसी स्थापित जासूस पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, अल्फा एक ऐसी युवती की कहानी बयां करती है, जिसे बचपन से ही एक उच्च कुशल जासूस बनने के लिए ट्रेन किया जाता है।

लगभग दो मिनट के इस टीजर की शुरुआत एक इमोशनल पिता-बेटी के पल से होती है। बॉबी देओल का किरदार आलिया का 18वां जन्मदिन मनाता है और उसे एक चाबी देता है, जो एक खास तोहफा लगता है। हालांकि, माहौल तुरंत बदल जाता है जब वह बताता है कि इस चाबी से आलिया का पहला मिशन खुलता है। आलिया का किरदार निराश हो जाता है, क्योंकि उसे जन्मदिन के खाने की उम्मीद थी, लेकिन उसके पिता उसे याद दिलाते हैं कि यही वह जीवन है जिसके लिए वह बचपन से तैयारी कर रही थी।

जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है, दर्शकों को भारत की अगली पीढ़ी के सैनिकों को तैयार करने के लिए डिजाइन किए गए एक हार्ड ट्रेनिंग कार्यक्रम की झलक मिलती है। बॉबी का किरदार आलिया को एक निडर योद्धा के रूप में प्रशिक्षित और आकार देता हुआ दिखाई देता है। एक इमोशनल सीन में उसे आलिया की बांह पर अल्फा संगठन का प्रतीक चिन्ह टैटू करते हुए दिखाया गया है, जो सीक्रेट मिशन के प्रति उसके कमिटमेंट को दर्शाता है।

टीजर का मुख्य आकर्षण एक्शन सीक्वेंस हैं। आलिया को हाथ से हाथ की लड़ाई, सामरिक अभियानों और जोखिम भरे मिशनों में प्रभावशाली सटीकता के साथ भाग लेते हुए दिखाया गया है। सीन स्टाइलिश होने के साथ-साथ रियल भी हैं, जबकि एक्शन बिल्कुल सच और जमीनी लगतेत हैं। टीजर का अंत एक भावुक सीन के साथ होता है, जब बॉबी का किरदार अपनी बेटी को अपना पहला मिशन सफलतापूर्वक पूरा करते हुए गर्व से देखता है।

फिल्म ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है क्योंकि इसमें आलिया को एक बिल्कुल नए अवतार में दिखाया गया है। इस प्रोजेक्ट के बारे में पहले बात करते हुए, अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अल्फा फिल्म इसलिए पसंद आई क्योंकि इसमें उन्हें एक ऐसे जॉनर को एक्सप्लोर करने का मौका मिला है जिसे भारतीय सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के रूप में शायद ही कभी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि हालांकि दर्शकों ने पुरुष प्रधान कहानियों में महिला एक्शन किरदार देखे हैं, लेकिन इस जॉनर में पूरी तरह से महिलाओं द्वारा अभिनीत फिल्में अभी भी कम ही देखने को मिलती हैं।

अल्फा, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है, जिसकी शुरुआत 2012 में एक था टाइगर से हुई थी। बाद में इस फ्रैंचाइजी का विस्तार टाइगर ज़िंदा है, वॉर, पठान, टाइगर 3 और वॉर 2 के साथ हुआ, और यह भारत के पहले सिनेमाई यूनिवर्स में से एक बन गया।

'सुनो सखी... अपनी मुस्कान बरकरार रखो', पति पर घरेलू हिंसा के आरोपों के बीच सपना चौधरी का क्रिप्टिक पोस्ट

हरियाणवी डांसर-सिंगर और अभिनेत्री सपना चौधरी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने पति वीर साहू पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। इस मामले में दिल्ली की एक अदालत ने सपना को मंगलवार को बड़ी राहत देते हुए अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। इस बीच सपना अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं।

हरियाणवी इंडस्ट्री की डांसिंग क्वीन सपना चौधरी की शादीशुदा जिंदगी में तूफान आ गया है। उन्होंने अपने पति वीर साहू पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। इसके बाद दिल्ली की द्वारका कोर्ट ने मंगलवार को सपना चौधरी को घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम के तहत दायर मामले में अंतरिम राहत प्रदान की। इस बीच हाल ही में सपना चौधरी ने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उनके क्रिप्टिक कैप्शन ने सभी का ध्यान खींचा है।

खूबसूरत अंदाज में डांस करती दिखीं सपना चौधरी

सपना चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक वीडियो साझा किया है, जिसके बैकग्राउंड में 'बावली' गाना चल रहा है। सपना चौधरी इस गाने पर परफॉर्म करते हुए अपनी मुस्कुराहट और खूबसूरत लुक फ्लॉन्ट कर रही हैं। फिरोजी कलर के सूट में वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

हरियाणवी क्वीन बोलीं- 'लोगों का काम है कहना'

साझा किए वीडियो का कैप्शन काफी दमदार है। सपना चौधरी ने लिखा है, 'सुनो सखी..., कुछ तो लोग कहेंगे, वरना बेचारे जिंदा कैसे रहेंगें? उनका काम है कहना, तुम बस बनी रहो 'बहरा' और अपने चेहरे की मुस्कुराहट को पूरी तरह बरकरार रखो'। ऐसे वक्त में जब सपना चौधरी निजी जिंदगी में आई उथल-पुथल को लेकर सुर्खियों में हैं, उनका यह पोस्ट वायरल हो रहा है।

सपना चौधरी के मामले में अदालत ने क्या कहा?

बता दें कि मामले में अदालत ने सख्त आदेश जारी करते हुए सपना चौधरी के पति को अगली सुनवाई की तारीख तक सिंगर-डांसर से किसी भी तरह का संपर्क करने या उनके निवास स्थान पर जाने से प्रतिबंधित कर दिया है। यह फैसला ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट निधि सिंह की अदालत में सुनाया गया, जो सपना चौधरी की वकील प्रीति सिंह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थीं। याचिका में सपना चौधरी ने अपनी जल्द ही रिलीज होने वाली फिल्म के प्रीमियर और अपनी निजी सुरक्षा के साथ-साथ प्रोफेशनल गतिविधियों में संभावित रुकावट की आशंका जताते हुए तत्काल राहत की मांग की थी।

कब हुई सपना और वीर की शादी?

इस महत्वपूर्ण मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 25 जुलाई की तारीख निर्धारित की है। इस तारीख तक मामले की अगली कार्यवाही तय की जाएगी। सपना चौधरी ने साल 2020 में वीर साहू से शादी की थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। सपना और वीर के दो बेटे- पोरस और शाहवीर हैं।

अजय देवगन ने दिखाई धमाल 4 की पहली झलक, फिल्म से मजेदार पोस्टर हुए जारी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म धमाल 4 का पहला कैरेक्टर पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर को देखकर साफ है कि फिल्म में पहले की तरह ही जबरदस्त कॉमेडी, हंगामा और रोमांच देखने को मिलेगा।

धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार करेंगे। पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा, इन दोनों का एक ही लक्ष्य है, सोना हासिल करना। इन पोस्टर में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी की झलक दिखाई गई है।

रिपोट्र्स के अनुसार, यह फिल्म पहले 17 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते पहले 10 जुलाई को रिलीज किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 10 जुलाई का स्लॉट खाली है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से इस नई तारीख की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है।

धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार कर रहे हैं, जिन्होंने धमाल सीरीज की पिछली सभी फिल्में बनाई हैं। इस फिल्म को टी-सीरीज और देवगन फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

इस बार फिल्म धमाल 4 में संजीदा शेख, अंजली आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे कलाकार भी हंसी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। इन पोस्टर्स के सामने आने के बाद से फैंस के बीच धमाल 4 को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com